(स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र)

हिन्दी दैनिक

बुद्ध का संदेश

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

कौन रीमेक में काम नहीं...8

मंगलवार, 31 अगस्त 2021 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 08 अंकः 255 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

भारतीय पैरालंपिक खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन, राष्ट्रपति कोविंद और प्रधानमंत्री मोदी ने दी बधाई

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को तोक्यो पैरालंपिक में पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों को बधाई दी जिन्होंने पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया। दो बार के स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक एथलीट देवेंद्र झाझरिया ने भाला फेंक के एफ46 वर्ग में रजत पदक जीता जबकि चक्का फेंक एथलीट योगेश कथूनिया ने अपनी स्पर्धा में दूसरा स्थान हासिल किया जिससे भारत ने खेलों में अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को पीछे छोड़ दिया। सुंदर सिंह गुर्जर भाला फेंक एफ46 स्पर्धा के फाइनल में झाझरिया के पीछे तीसरे स्थान पर रहे और कांस्य पदक जीता। भारत के पदकों की संख्या अब सात हो गयी है जिसमें एक स्वर्ण पदक (निशानेबाजी) शामिल है। देश ने 2016 रियो ओलंपिक में चार पदक जीते थे।

निशानेबाज अवनि लेखरा ने 10 मीटर एयर राइफल के क्लास एसएच1 में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा। उन्होंने फाइनल में 249.6 अंक बनाकर विश्व रिकार्ड की बराबरी की और पहला स्थान हासिल किया। अवनि पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी हैं। यह भारत का इन खेलों की निशानेबाजी प्रतियोगिता में भी पहला पदक है। तोक्यो पैरालंपिक में भी यह देश का पहला स्वर्ण पदक है। पैरालंपिक खेलों में पदक जीतने वाली वह तीसरी भारतीय महिला हैं। राष्ट्रपति कोविंद ने ट्वीट किया, ''हमारे पैरालंपिक खिलाड़ियों के देश के लिये और पदक जीतने पर खुशी हुई। योगेश कथूनिया ने चक्का फेंक में रजत पदक जीता, देवेंद्र झाझरिया और सुंदर सिंह गुर्जर ने भाला फेंक में क्रमशरू रजत और कांस्य पदक जीते। आपको बधाई। हर भारतीय आपकी सफलता का जश्न बना रहा है।'' उन्होंने एक अन्य

ट्वीट में लिखा, ''भारत की एक और बेटी ने हमें गर्व करने का मौका दिया है। इतिहास रचने और पैरालंपिक में स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनने पर अवनि लेखरा को बधाई। आपके उत्कृष्ट प्रदर्शन से भारत खुश है। आपकी शानदार उपलब्धि से पोडियम पर हमारा तिरंगा लहराया।''

प्रधानमंत्री मोदी ने भी सोशल नेटवर्किंग साइट पर पैरा खिलाड़ियों को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा, ''देवेंद्र झाझरिया का शानदार प्रदर्शन। हमारे सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक झाझरिया ने रजत पदक जीता है। वह भारत को लगातार गौरवान्वित करते रहे हैं। उन्हें बधाई और भविष्य के लिये ढेर सारी शुभकामनाएं।'' एक अन्य ट्वीट में उन्होंने गुर्जर को बधाई देते हुए कहा, ''सुंदर सिंह गुर्जर के कांस्य जीतने पर भारत हर्षित है। उन्होंने शानदार साहस और समर्पण दर्शाया है। उन्हें बधाइयां और भविष्य को लेकर शुभकामनाएं।'' उन्होंने एक ट्वीट में कहा, ''अविस्मरणीय प्रदर्शन अवनि लेखरा! कड़ी मेहनत की बदौलत स्वर्ण जीतने पर बधाई जिसकी आप हकदार भी थी। कर्मशील स्वभाव और निशानेबाजी के प्रति जज्बे से आपने ऐसा संभव कर दिखाया। भारतीय खेलों के लिए यह एक विशेष क्षण है। आपको भविष्य के लिये शुभकामनाएं।'' मोदी ने एक ट्वीट में कहा, ''योगेश कथूनिया का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। उनके रजत पदक जीतने से बेहद खुशी हुई है। उनकी शानदार सफलता उभरते खिलाड़ियों को प्रेरित करेगी। उन्हें बधाई। भविष्य के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं।'' उप राष्ट्रपति एम वेंकेया नायडू ने भी पैरा खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने ट्वीट किया, ''भारतीय खिलाड़ियों ने तोक्यो पैरालंपिक में पुरूषों की भाला फेंक स्पर्धा (एफ46) में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। देवेंद्र झाझरिया ने रजत और सुरंद सिंह गुर्जर ने कांस्य पदक जीता।

देश को आपकी सफलताओं पर गर्व है। भविष्य के लिये शुभकामनायें।'' उन्होंने ट्वीट किया, ''अवनि लेखरा को महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक और योगेश कथूनिया को पुरूषों की चक्का फेंक स्पर्धा में रजत पदक जीतने के लिये बधाई हो। देश को आपकी उपलब्धियों पर गर्व है। मैं आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं।'' खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने पैरा निशानेबाज अवनि लेखरा को बधाई देते हुए ट्वीट किया, ''शानदार अवनि ने पहले स्थान का पदक जीता। ऐतिहासिक उपलब्धि, वह ओलंपिक और पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली महिला खिलाड़ी बन गयी हैं।'' उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा, ''आपने 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिग एसएच1 फाइनल में 249.6 अंक के स्कोर से पैरालंपिक रिकार्ड बनाया और साथ ही विश्व रिकार्ड की बराबरी की।'' कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी पैरा खिलाड़ियों के तोक्यो में अब तक के शानदार प्रदर्शन पर बधाई दी।

पुंछ नियंत्रण रेखा पर आतंकियों की घुसपैठ की कोशिश नाकाम, एक आतंकी ढेर

जम्मू। सेना ने जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा से घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए सोमवार को तड़के एक आतंकवादी को मार गिराया। जम्मू स्थित रक्षा जनसंपर्क अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल देवेंद्र आनंद ने बताया कि इलाके में अभियान अब भी जारी है। प्रवक्ता ने बताया, "30 अगस्त को तड़के नियंत्रण रेखा के पार से आतंकवादियों ने पुंछ सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश की। सेना के मुस्तैद जवानों ने एकीकृत निगरानी ग्रिड के प्रभावी उपयोग से पुंछ सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश का पता लगा लिया।" उन्होंने बताया कि सेना के जवानों ने उन्हें ललकारा जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई और एक आतंकवादी मारा गया। उसका शव और एके–47 राइफल बरामद की गई है। लेफ्टिनेंट कर्नल आनंद ने बताया, "मुस्तैद सैनिकों की यह कार्रवाई नियंत्रण रेखा पर किसी भी दुस्साहस को नाकाम करने के भारतीय सेना के संकल्प को दिखाती है।

कांग्रेस नेता ए वी गोपीनाथ ने पार्टी से दिया इस्तीफा, 50 साल पुराने संबंध को किया खत्म

पलक्कड़ (केरल)। केरल में जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) के 14 अध्यक्षों के चयन को लेकर कांग्रेस में खींचतान के बीच वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक ए वी गोपीनाथ ने सोमवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफे की घोषणा की। पलक्कड़ डीसीसी के पूर्व अध्यक्ष और केरल प्रदेश कांग्रेस समिति (केपीसीसी) के सदस्य गोपीनाथ ने कहा कि वह कांग्रेस के साथ अपने 50 साल पुराने संबंध को खत्म कर रहे हैं। यहां संवाददाता सम्मेलन में पार्टी से इस्तीफे की घोषणा करते हुए, वरिष्ठ नेता ने कहा कि वह पार्टी की प्रगति में बाधक नहीं बनेंगे, जिसके लिए उन्होंने पिछले पांच दशकों में अथक प्रयास किए हैं। गोपीनाथ के समर्थकों ने डीसीसी प्रमुख के पद पर उनकी नियुक्ति के लिए दबाव डाला था, लेकिन नेतृत्व ने जिले में पार्टी की अगुवाई करने के लिए ए थंकप्पन को चुना। गोपीनाथ ने इस साल की शुरुआत में राज्य में हुए विधानसभा चुनावों में उन्हें टिकट न देने पर विरोध किया था, लेकिन ओमन चांडी और के सुधाकरन सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें शांत करा दिया था। गोपीनाथ ने आरोप लगाया था कि उन्हें पार्टी में पिछले कई वर्षों से किनारे कर दिया गया है और वह इसे हल्के में नहीं लेंगे। पार्टी के राज्य नेतृत्व द्वारा डीसीसी प्रमुखों का चयन करने के तरीके के खिलाफ वरिष्ठ नेता ओमन चांडी और रमेश चेन्नीथला खुलकर सामने आये हैं।

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में बादल फटने से कम से कम 3 की मौत, कई अन्य लापता

उत्तराखंड के एक सुदूर गांव में सोमवार तड़के बादल फटने से कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और कुछ अन्य लापता हो गए है। यह घटना राज्य की राजधानी देहरादून से करीब 600 किलोमीटर दूर पिथौरागढ़ जिले के जुम्मा गांव में हुआ है। एक अधिकारी ने कहा कि बचाव दल गांव पहुंच गया है और लोगों की तलाश में जुट गए है। यह गाँव काली नदी के तट पर स्थित है जो नेपाल से भारत में बहती है। नदी के किनारे बादल फटने से नेपाल में भी एक बड़ा हिस्सा प्रभावित हुआ है। ग्रामीणों ने तीनों शवों को बरामद कर लिया है। मारे गए लोगों में 9 से 15 साल की उम्र की तीन लड़कियां हैं। दो किशोरियों को बचा लिया गया है, जबकि 40 साल के एक पुरुष और एक महिला सहित दो अन्य अभी भी लापता हैं।

शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के 40 लाख गरीबों को सरकार ने आवास उपलब्ध कराया: सीएम योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जन्माष्टमी की बधाई देते हुए कहा कि पिछले साढ़े चार वर्षों के दौरान राज्य सरकार ने शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में लगभग 40 लाख गरीबों को आवास उपलब्ध कराएं हैं। सोमवार को पांच कालिदास मार्ग स्थित अपने सरकारी आवास पर योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत दो लाख 853 लाभार्थियों के खाते में 1341.17 करोड़ रुपये का ऑनलाइन हस्तांतरण करने के बाद इस संबंध में आयोजित समारोह में कहा, ''हमारा प्रयास है कि प्रधानमंत्री की मंशा के तहत 2022 तक हर जरूरतमंद गरीब को एक आवास उपलब्ध कराया जाय जो, इस पात्रता की श्रेणी में आता है।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''2017 के पहले प्रधानमंत्री आवास योजना में उत्तर प्रदेश का कोई स्थान नहीं था, क्योंकि तत्कालीन राज्य सरकार की रुचि नहीं थी कि भारत सरकार की योजना का लाभ प्रदेश के गरीबों को दे सके, लेकिन 2017 के बाद नगरीय या ग्रामीण क्षेत्र दोनों में भारत सरकार की हर योजना का लाभ पहुंचाने के जो प्रयास हुए, उसमें उत्तर प्रदेश ने देश में सर्वश्रेष्ठ स्थान प्राप्त किया है।'' योगी ने कहा, ''पहले चेक या नकद वितरण में

भ्रष्टाचार होता था और एक प्रधानमंत्री ने तो यहां तक कहा था कि गरीबों को भेजे जाने वाले 100 रुपये में 85 रुपये बेईमानी से बीच के लोग हड़प जाते थे, लेकिन आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐसी व्यवस्था की है कि 100 रुपये स्वीकृत हैं, तो पूरा का पूरा पैसा गरीब के खाते में जाता है।'' कोरोना त्रासदी में गरीबों के लिए चलाई गई योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए योगी ने कहा, ''प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में भी उत्तर प्रदेश ने पहला स्थान प्राप्त किया है। लॉकडाउन के दौरान पटरी व्यवसायियों को काफी दिक्कत हुई, उनकी पूंजी समाप्त हो गई लेकिन प्रधानमंत्री मोदी जी ने आत्मनिर्भर भारत पैकेज की घोषणा की और स्वनिधि योजना के माध्यम से पटरी कारोबारियों को आत्मनिर्भर बनाने की पहल की।'' उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत उत्तर प्रदेश में साढ़े सात लाख से ज्यादा लाभार्थियों को कर्ज उपलब्ध कराया गया।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) एवं प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के लाभार्थियों से बातचीत भी की। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) योजना की लाभार्थी मिर्जापुर की निर्मला से बातचीत में योगी ने कहा कि यह लाभ पहले भी मिल सकता था, लेकिन पिछली सरकारों ने ध्यान नहीं दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री स्व निधि योजना के लाभार्थियों से अपने कारोबार को डिजिटल भुगतान से जोड़ने के लिए भी कहा। इस कार्यक्रम में नगर विकास, शहरी समग्र विकास मंत्री आशुतोष टंडन और नगर विकास राज्यमंत्री महेश गुप्ता, मुख्य सचिव आर के तिवारी समेत कई प्रमुख लोग मौजूद थे।

भाजपा करेगी हर विधानसभा में प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन

मेरठ। विधानसभा चुनाव–2022 के दृष्टिगत पश्चिम के सभी विधानसभा क्षेत्रों में भारतीय जनता पार्टी की ओर से प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। शुरुआत पांच सितंबर को शिक्षक दिवस के मौके पर होगी। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि अगर चुनाव में सफलता पानी है तो इस वर्ग को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसी के चलते अब भाजपा ने प्रबुद्धजनों का मन और संजीदगी टटोलने का खाका तैयार किया है।प्रबुद्ध वर्ग समाज को दिशा देने का काम करता है। इसलिए यह जरूरी है कि विधानसभा क्षेत्र में निवास करने वाले प्रबुद्ध जनों की सूची बनाने में बेहद सतर्कता बरती जाए। शिक्षा, चिकित्सा, इंजीनियरिंग सहित अन्य सभी क्षेत्रों से जुड़े प्रबुद्ध जनों की सम्मेलन में सहभागिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। इसके लिए मानीटरिंग एवं संचालन समिति को सक्रिय करने के निर्देश भी दिए। विपक्षी दांव–पेंच से दूर रखने की मंशा से ही सत्ताधारी दल भाजपा ने हर विधानसभा क्षेत्र में प्रबुद्धजन सम्मेलन आयोजित करने की रूपरेखा बनाई है।विधानसभा चुनाव 2022 को लेकर बेहद गंभीर भाजपा, की खास बात यह है कि शुरुआत पांच सितंबर को शिक्षक दिवस के मौके पर करने जा रही है । एक पखवाड़े तक चलने वाले इन प्रबुद्धजन सम्मेलनों का आधार जातीय नहीं,बल्कि पेशा होगा। इसके साथ ही भाजपा एक–एक बूथ जीतने की रणनीति पर भी बेहद सक्रिय होकर लगातार काम कर रही है,इसी तरह रणनीति पार्टी ने बनाई है। बूथ समितियों का सत्यापन चल रहा है। पश्चिमी क्षेत्र के अध्यक्ष मोहित बेनीवाल ने बताया कि ये सम्मेलन सभी विधानसभा क्षेत्रों में किए जाएंगे। इसके लिए पदाधिकारियों को जिम्मेदारी भी सौंपी जा चुकी है। सभी पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि भी अपने क्षेत्रों में सक्रिय हैं। उप्र में 2022 विधानसभा चुनाव में अलग–अलग जाति–वर्गों का वोट जुटाने के लिए सभी दल प्रयासरत हैं।

अपने–अपने समाज में प्रभाव रखने वाले नेताओं को जोड़कर जातियों को साधने की जुगत है। उन्हें पदाधिकारी बनाया जा रहा है। भाजपा भी सरकार और संगठन में इसी गणित को संभालते हुए प्रतिनिधित्व दे रही है। बता दे कि सपा और बसपा ने भी प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन किए। नाम भले ही प्रबुद्ध वर्ग हो, लेकिन सम्मेलन ब्राह्मण समाज के थे। यह दोनों दल अपने–अपने आधार वोट बैंक के साथ ब्राह्मण के बोनस वोट में अपनी जीत की सफलता देख रहे हैं। वहीं, अब भाजपा ने भी प्रबुद्धजन सम्मेलन करने का फैसला किया है।

हरियाणा के छोरे ने दिखाया कमाल, सुमित अंतिल ने वर्ल्ड रिकॉर्ड के साथ जीता गोल्ड मेडल

रविवार को तोक्यो पैरालंपिक में जैवलिन थ्रो स्पर्धा में सोनीपत का छोरा सुमित आंतिल ने भारत की झोली में एक और गोल्ड डाल दिया है। बता दें कि उन्होंने तोक्यो में अपना कमाल का प्रदर्शन देते हुए वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। यह पहली बार है कि सुमित ने जेवलिन थ्रो के थ–64 इवेंट के अपने दूसरे प्रयास में 68.08 मीटर का थ्रो किया और विश्व रिकॉर्ड बनाया। बताते चले की सुमित ने अपने पहले प्रयास में 66.95 मीटर दूर भाला फेंका था फिर तीसरे प्रयास में 65.27, चौथे प्रयास में 66.71 और 5वें प्रयास में सुमित ने 68.55 मीटर का थ्रो किया। वहीं श्रीलंका की तरफ से खेल रहे दुलन कोडिथुवक्कू ने 65.61 मीटर का थ्रो किया और रजत पदक हासिल किया। सिल्वर मेडल पर ऑस्ट्रेलिया के माइकल बरियन ने कब्जा किया है। उन्होंने 63.15 मीटर थ्रो फेंका। वहीं भारत की तरफ से खेल रहे थ–44 क्लास में संदीप चौथे स्थान पर रहे। संदीप ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 62.20 मीटर का थ्रो किया।

तीन दिवसीय दौरे के दौरान गुजरात में गृह मंत्री अमित शाह का संबोधन

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को स्थानीय निकायों के सरपंचों और अन्य निर्वाचित प्रतिनिधियों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि उनके क्षेत्र का कोई भी पात्र व्यक्ति केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभों से वंचित न रहे। गांधीनगर लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले शाह इस समय अपने गृह राज्य गुजरात के तीन दिवसीय दौरे पर हैं जो 28 अगस्त से शुरू हुआ था। गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अहमदाबाद जिले के साणंद कस्बे के निकट निधराड गांव में गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक लड्डू बांटने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में शाह ने कहा कि हालांकि बुनियादी ढांचे का विकास महत्वपूर्ण है, लेकिन अगर लोग कमजोर रहेंगे तो इसका कोई फायदा नहीं होगा। उन्होंने कहा, राज्य और केंद्र सरकार ने कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं। स्थानीय प्रशासन लोगों तक पहुंचने की कोशिश कर रहा है। लेकिन, यह सुनिश्चित करना सरपंच, जिला और तालुका पंचायतों के निर्वाचित प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है कि कोई भी पात्र व्यक्ति इन योजनाओं के तहत लाभ पाने से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि गांधीनगर लोकसभा सीट के कार्यकर्ता विभिन्न गांवों का दौरा करके शिविरों का आयोजन कर लोगों तक पहुंच रहे हैं। शाह ने कहा, लेकिन, वे खुद कितना क्षेत्र कवर कर सकते हैं? यदि इस क्षेत्र के सरपंच यह जिम्मेदारी लेते हैं कि कोई भी पात्र व्यक्ति आयुष्मान कार्ड या कोई विधवा पेंशन से वंचित नहीं रहेगी, तो गांधीनगर देश का सबसे विकसित लोकसभा

क्षेत्र बन जाएगा।" उन्होंने कहा, बुनियादी ढांचे का विकास महत्वपूर्ण है और यह प्रक्रिया भी जारी रहेगी। लेकिन, गरीबों, दलितों और महिलाओं का सशक्तिकरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अगर लोग गरीब और कमजोर रहते हैं तो बुनियादी ढांचे के विकास का कोई मतलब नहीं है। शाह ने गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) की मदद से गांधीनगर निर्वाचन क्षेत्र के लिए एक योजना शुरू की है, जिसमें लगभग 7,000 गरीब गर्भवती महिलाओं को प्रसव तक हर महीने विटामिन युक्त 15 लड्डू दिए जाएंगे। शाह ने कहा कि ये लड्डू बच्चों और उनकी माताओं की कुपोषण से लड़ने में मदद करेंगे। उन्होंने कहा, यह योजना सरकार से बिना किसी वित्तीय मदद के शुरू की गई है। मैं उन सभी गैर सरकारी संगठनों को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने इस योजना को शुरू करने के लिए हाथ मिलाया है। ये प्रोटीन और विटामिन युक्त लड्डू गर्भवती महिलाओं को मुफ्त में दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मार्च 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राजस्थान से शुरू किया गया पोषण अभियान अब एक जन आंदोलन बन गया है। शाह ने जन्माष्टमी के अवसर पर लोगों को बधाई दी और तोक्यो पैरालिंपिक में एक स्वर्ण पदक सहित पदक जीतने वाले भारतीय एथलीटों को भी बधाई दी।

बेटे की मौत के बाद न्याय के लिए भटक रही वृद्ध महिला का एसपी ने पोंछा आंसू : महिला को पुलिस अधीक्षक ने दिया न्याय का भरोसा

गोण्डा। बेटे की मौत के बाद कई महीनों से न्याय के लिए दर–दर भटक रही महिला की शिकायत पर पुलिस अधीक्षक ने तुरंत कार्रवाई का निर्देश देते हुए लापरवाही करने वाले अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई।

ताजा मामला कर्नलगंज थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत रेवारी के त्रिलोचन पुरवा का है। जहां के निवासी राजकुमार पुत्र केशवराम 18 जनवरी को सुबह 7 बजे साइकिल से जहांगिरवा रेलवे क्रॉसिंग के पास पहुंचे। जहां फाटक बंद होने के कारण वो क्रासिंग के पास खड़े थे। तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार अनियंत्रित कार ने साइकिल सवार राजकुमार को जोरदार टक्कर मार दी जिससे मौके पर उनकी मृत्यु हो गई। इस दुर्घटना के बाद मृतक के परिजनों ने दुर्घटना करने वाली कार की वीडियो फुटेज के साथ इसकी शिकायत पुलिस से की। लेकिन भंभुआ चौकी प्रभारी के द्वारा जानकारी के बावजूद वाहन चालक को बचाते हुए अज्ञात लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करा दिया गया। जिसके बाद मृतक के परिजन न्याय के लिए पिछले कई महीने से पुलिस से गुहार लगा रहे हैं। लेकिन मृतक के परिजनों को न्याय नहीं मिला। जिसके बाद आज मृतक के भाई रामू व उनकी मां ने समाधान दिवस के दौरान पुलिस अधीक्षक के समक्ष प्रस्तुत होकर अपनी व्यथा सुनाई। जिस पर पुलिस अधीक्षक ने इस मामले पर कड़ा रुख दिखाते हुए, लापरवाह अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। साथ ही पीड़ित परिजनों को तुरंत न्याय का आश्वासन देते हुए कार्यवाही के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक के द्वारा की गई इस कार्यवाही से एक तरफ जहां मृतक के परिजनों को न्याय की आस दिखाई दी, वहीं उन्होंने अपनी कार्यवाही से मानवता की एक बड़ी मिसाल पेश की। पुलिस अधीक्षक ने कोतवाली परिसर में रो रही वृद्ध महिला के आंसू पोंछकर उसे खुद पानी पिलाया और उसके बेटे की कोई मृत्यु पर न्याय का भरोसा दिलाया।

घाघरा नदी का जलस्तर खतरे के निशान से लगभग 42 सेंटीमीटर ऊपर,बंधे को खतरा

करनैलगंज(गोंडा)। घाघरा नदी का जलस्तर तेजी के साथ बढ़ता हुआ खतरे के निशान से लगभग 42 सेंटीमीटर ऊपर पहुंच गया है। जहां नदी की धारा बांध ा से 500 मीटर दूर बहती थी वह धारा कटान करते–करते अब नदी के बांध के किनारे पहुंच चुकी है। कई स्थानों पर नदी बांध से टकराने लगी है। जिससे बांध को खतरा पैदा हो चुका है। ग्राम चंदापुर किटोली के पास जहां कटान की स्थिति बनी हुई थी। वहां जबरदस्त तरीके से की गई मेहनत रंग लाई है। वहां बांध को मजबूत कर लिया गया है पत्थरों की पिचिंग कर दी गई है और ब्रेकरोरा के जरिए कटान को थाम लिया गया है। मगर उस स्थल के आसपास कई स्थानों पर नदी बांध से सट गई है। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश बांध के लिए खतरा बन सकती है। जहां बांध की मरम्मत का कार्य बरसात की वजह से प्रभावित हो रहा है जगह जगह बांध कमजोर हो गए हैं। वहां मरम्मत का कार्य चल रहा है। खाली पड़ी जमीन को पूरी तरीके से काट कर नदी में समाहित हो चुके हैं और नदी के धारा बांध की ओर रुख कर चुकी है। एल्गिन ब्रिज पर की गई माप के मुताबिक घाघरा नदी खतरे के निशान 106.07 के सापेक्ष 106.496 पर है। कुल डिसचार्ज 3 लाख 43 हजार 745 क्यूसेक था। बांध पर मौजूद सिंचाई विभाग के एई अमरेश सिंह बताते हैं कि बांध पर कैम्प कर सभी अधिकारी बांध की सुरक्षा में लगे हैं। नदी का जलस्तर बढ़ रहा है। हालांकि अभी बांध को खतरा नही है। एसडीएम हीरालाल ने बताया कि एक तरफ बांध को सही करने की कवायद हो रही है तो दूसरी तरफ जमीन को काटकर नदी बांध से सटकर बहने लगी है। उन्होंने बताया कि यदि चंदापुर किटौली के पास बांध कटता है तो चंदापुर किटौली, ग्राम पसका, ग्राम बहुवन मदार मांझा, ग्राम नन्दौर रेती की कुल आबादी करीब 25 हजार व 97 मजरे प्रभावित होंगे। सभी परिवारों का सर्वे कराया जा चुका है। बाढ़ से निपटने की भी पूरी तैयारी है।

मोटर बोट के सहारे शव को तलाशते पीएसी के जवान ,दूसरे दिन भी नही मिली लास

करनैलगंज(गोंडा)। करनैलगंज के सरयू नदी के पुल से नदी के बीचो–बीच धारा में छलांग लगाने वाले युवक का शव दूसरे दिन शाम तक बरामद नहीं हो सका। लगातार पीएसी के जवान मोटर बोट के सहारे शव को तलाशने का प्रयास कर रहे हैं। मगर उसकी तलाश नहीं हो पाई। सरयू नदी में बाढ़ के पानी के वजह से सरयू का जलस्तर काफी बढ़ा हुआ है। ऐसे में गोताखोरों की मदद नहीं ली जा सकी। गोताखोरों द्वारा पानी अधिक होने के कारण मना कर दिया गया तो पीएसी के जवानों को नदी में उतारा गया। शाम तक युवक के शव की बरामदगी नहीं हो सकी। दोपहर बाद एक युवक सरयू पुल पर अपनी साइकिल, झोला, चप्पल व मोबाइल छोड़कर नदी के बीचो–बीच धारा में छलांग लगा दिया था। सूचना मिलने के बाद लगातार पुलिस मौके पर बनी हुई है। आसपास के नाविकों को लगाया गया मगर पानी अधिक होने के कारण गोताखोर एवं नाविकों ने नदी में उतरने से मना कर दिया। जिस पर पीएसी के गोताखोरों एवं जवानों को मोटर बोट के साथ नदी में उतारा गया। मौके पर आधार कार्ड मिला है जिस पर बाबू यादव पुत्र झगरू निवासी ग्राम सकरौरा ग्रामीण के मजरा टेपरा का पता दर्ज है। उसके मुताबिक परिजनों को भी मौके पर बुलाया गया। कोतवाल प्रदीप कुमार सिंह बताते हैं कि सरयू नदी का जलस्तर काफी बढ़ा हुआ है। ऐसे में गोताखोरों की मदद नहीं मिल सकी। पीएसी के जवानों को नदी में उतारा गया है शव की तलाश कराई जा रही है।

हिंदूवादी नेता मनीष पांडेय को रहे हाउस अरेस्ट

अयोध्या। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के प्रथम अयोध्या आगमन पर हिंदूवादी नेता मनीष पांडेय को उनके आवास पर ही हाउस अरेस्ट कर दिया गया श्री पांडेय ने जानकारी देते हुए बताया है कि उनके द्वारा दो ज्ञापन राष्ट्रपति को दिए जाने थे किंतु प्रशासन द्वारा उन्हें हाउस अरेस्ट करने का आदेश दे दिया गया स्थानीय क्या कहेंगे लोकल इंटेलिजेंस यूनिट के अधिकारी कमल कुमार मिश्र द्वारा लिए गए ज्ञापन में प्रमुख रूप से आतंकी संस्था तालिबान के भारत समर्थकों जिसमें प्रमुख रुप से स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की तुलना तालिबान से करने वाले संभल के सांसद शफीकुर्रहमान बक्र, संत बाल्मीकि की तुलना तालिबान से करने वाले मुनव्वर राणा, हिंदुत्व की तुलना तालिबान से करने वाली स्वरा भास्कर, तथा तालिबान की प्रशंसा करने वाले मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड के प्रवक्ता सज्जाद नोमानी, को तत्काल प्रभाव से गिरफ्तार किए जाने की बातें कही गई है। हिंदुस्तान पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अधिवक्ता मनीष पांडे के हाउस अरेस्ट किए जाने पर पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं द्वारा विरोध दर्ज कराया गया है प्रदेश अध्यक्ष संतोष राय(हृदय भारती) ने कहा है कि अपने आपको हिंदूवादी सरकार कहने वाली भाजपा हिंदुत्व का गला घोटने पर क्यों तुली हुई है प्रदेश की योगी सरकार को पार्टी प्रवक्ता मनीष पांडेय द्वारा दिए जाने वाले ज्ञापन को ग्रहण कर स्वस्थ लोकतंत्र का संदेश देना चाहिए था किंतु ऐसा प्रतीत होता है कि योगी सरकार में अब हिंदुत्व की बातें और हिंदुत्व के मुद्दे को उठाना एक अपराध हो गया है वही प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सुधाकर चतुर्वेदी, प्रदेश महामंत्री राम कुमार राणा ,प्रदेश उपाध्यक्ष महंत रामलोचन शरण शास्त्री राजन बाबा, एवं अयोध्या कार्यकारिणी के जिलाध्यक्ष पंडित विधि पूजन पांडेय, कुलदीप श्रीवास्तव, हीरामणि पांडेय, चंद्रहास दीक्षित, अजय शुक्ला, प्रवीण सनाढ्य, अंबिका यादव दिनेश जायसवाल आदि ने कहा कि यह हिंदू आवाज को दबाने का षड्यंत्र किया जा रहा है।

उत्सव के रूप में मनेगा मातृ वंदना सप्ताह

गर्भवती को कोविड टीकाकरण के प्रति किया जायेगा जागरूक

अयोध्या। पहली बार गर्भवतीध धात्री महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य देखभाल और पोषण के लिए पूरे देश में चलायी जा रही प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना को गति प्रदान के लिए प्रदेश में एक से सात सितम्बर तक मातृ वंदना सप्ताह मनाया जाएगा । इस सप्ताह को एक उत्सव के रूप में मनाने की योजना है, जिसके तहत सप्ताह के हर दिन अलग–अलग गतिविधियाँ आयोजित की जायेंगी । हर साल मनाये जाने वाले इस सप्ताह की इस बार की थीम "'मातृ शक्ति–राष्ट्र शक्ति'" निर्धारित की गयी है । इस बार इस सप्ताह के दौरान गर्भवती को कोविड टीकाकरण के प्रति विशेष तौर पर जागरूक करने की भी योजना है । सिफ्सा की अधिशाषी निदेशक व राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन–उत्तर प्रदेश की निदेशक अपर्णा उपाध्याय ने प्रदेश के सभी मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को इस सम्बन्ध में पत्र भेजकर सप्ताह की निर्धारित गतिविधियों के अनुरूप इसके आयोजन के निर्देश दिए हैं । उन्होंने कहा है कि सप्ताह के दौरान सभी पात्र गर्भवती व धात्री महिलाओं को लाभ पहुँचाने पर जोर दिया जाए । जनसामान्य तक ज्यादा से ज्यादा योजना का प्रचार–प्रसार हो और स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ावा दिया जाए । इसके अलावा कोविड टीकाकरण के प्रति गर्भवती को विशेष तौर पर जागरूक किया जाए । सप्ताह के दौरान गर्भवती को उचित आराम व पोषण की जरूरत के बारे में समझाया जाये और नियमित प्रसव पूर्व देखभाल की आवश्यकता बताई जाए क्योंकि एक हृष्ट–पुष्ट शिशु के लिए जरूरी है कि गर्भवती के पोषण का खास ख्याल रखा जाए । हरी साग–सब्जियों व मौसमी फल को नियमित भोजन में शामिल किया जाए । गर्भवती को यह भी बताया जाए कि संस्थागत प्रसव में ही माँ–बच्चे की सुरक्षा निहित है व शिशु टीकाकरण बच्चे के बेहतर स्वास्थ्य के लिए जरूरी है । मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 अजय राजा ने बताया कि मातृ वंदना सप्ताह के पहले दिन (एक सितम्बर) कार्यक्रम के शुभारम्भ में जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए और स्वास्थ्य विभाग महिला एवं बाल कल्याण विभाग के साथ मिलकर कार्ययोजना तैयार करे । हर ब्लाक पर माँ–बच्चे एवं गर्भवती के लिए सेल्फी कार्नर बनाया जाए और माँ एवं प्रथम शिशु अथवा गर्भवती की सेल्फी सोशल मीडिया जैसे–ट्विटर व व्हाट्सएप पर जनपद, राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर अपलोड की जाए ताकि चयनित फोटो को राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाले पुरस्कार वितरण समारोह में प्रदर्शित किया जा सके । गर्भवती व धात्री महिला को सामुदायिक सहयोग सुनिश्चित करने के लिए पंचायत स्तर पर हस्ताक्षर अभियान चलाया जाए । सप्ताह के दूसरे दिन (दो सितम्बर) योजना के सफल क्रियान्वयन व उसके उद्देश्यों के लिए ग्राम सभा व शहरी निकाय की बैठक हो ।

ग्राम सभा स्तर पर पम्पलेट्स का वितरण किया जाये, जिसमें योजना के लाभ एवं हेल्पलाइन नम्बर 7998799804 को अवश्य अंकित किया जाए । तीसरे दिन (तीन सितम्बर) घर–घर अभियान चलाकर पात्र लाभार्थियों से प्रपत्र एकत्र कर उसी दिन कम्प्यूटर पर दर्ज कर अप्रूवल की प्रक्रिया शुरू की जाए । शून्य व निष्क्रिय आशा कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित किया जाए कि वह अपने क्षेत्र की सभी पात्र लाभार्थियों का फार्म भरवाएं । गर्भवती को इसी दौरान कोविड टीकाकरण के प्रति जागरूक किया जाए । चौथे दिन (चार सितम्बर) कोरोना प्रोटोकाल का पालन करते हुए स्टेक होल्डर्स के साथ बैठक कर बैंक, डाक घर, यूआईडीआई, पंचायती राज व सम्बंधित क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं के साथ शिविर का आयोजन किया जाए । पांचवें दिन (पांच सितम्बर) विशेष अभियान चलाकर करेक्शन क्यू में कमी लायी जाये, द्वितीय व तृतीय किश्त के मामलों का निस्तारण किया जाए और कोविड टीकाकरण के लिए संवेदीकरण अभियान चलाया जाए । छठे दिन (छह सितम्बर) प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर महिला सामुदायिक इवेंट का आयोजन हो ।

गर्भवती को मौसमी फल, पौष्टिक आहार व अन्य खानपान की जानकारी दी जाए । पकवान, प्रश्नोत्तरी व स्लोगन लेखन प्रतियोगिता आयोजित की जाए और कोविड टीकाकरण के लिए विशेष शिविर आयोजित हो । आखिरी दिन (सात सितम्बर) सहयोगी संगठनों व जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित कर उत्कृष्ट उपलब्धि वाले ब्लाक स्तरीय अधिकारियों और उच्च उपलब्धि वाली आशा, आशा संगिनी व एएनएम को पुरस्कृत किया जाए ।

अवध विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा, खेल एवं योग विज्ञान संस्थान के शारीरिक शिक्षा विभाग में राष्ट्रीय खेल दिवस पर आज 29 अगस्त, 2021 दिन हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन के अवसर पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान को संबोधित करते हुए विभाग के वरिष्ठ शिक्षक डॉ0 अनिल कुमार मिश्र ने छात्रों से कहा कि मेजर ध्यानचंद का खेल के प्रति लगन, निष्ठा और उनके समर्पण की भावना को भुलाया नही जा सकता। उनका देश एवं खेल के प्रति समर्पण हम सभी को अपनाना होगा तभी खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ सकते है। विभाग के शिक्षक डॉ. अर्जुन सिंह एवं डॉ. कपिल कुमार राणा ने अपने विचार रखते हुए कहा कि मेजर ध्यान चंद्र ने भारतीय खेल के इतिहास में ऐसी खेल आदर्शों की नींव रखी जो न केवल भारतीय बल्कि पूरे विश्व के खिलाड़ियों के लिए एक आदर्श उदाहरण है। डॉ. त्रिलोकी यादव ने कहा कि मेजर ध्यानचंद ने राष्ट्र के प्रति प्रेम और निष्ठा को अभिव्यक्त करते हुए अनेक राष्ट्राध्यक्षो के द्वारा दिए गए पद के प्रलोभन को ठुकरा दिया इससे पता चलता है कि वह एक कुशल खिलाड़ी ही नहीं बल्कि सच्चे राष्ट्रभक्त भी थे। कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. अनुराग पाण्डेय ने कहा कि मेजर ध्यानचंद्र का खेल के प्रति समर्पण भावना युवाओं के लिए प्रेरणा है। छात्रों को उनसे सीख लेनी चाहिए। डॉ. पांडे ने भारत सरकार से मेजर ध्यानचंद को भारत रत्न से सम्मानित किए जाने का आग्रह किया एवं यहीं उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम के शुभारम्भ में शिक्षकों द्वारा मेजर ध्यान चंद्र की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम में देवेंद्र वर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. मुकेश कुमार वर्मा सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हिंदू युवा वाहिनी के तत्वावधान में पूर्व मुख्यमंत्री एवं राजस्थान हिमाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल कल्याण सिंह के निधन पर

करनैलगंज(गोंडा)। हिंदू युवा वाहिनी के तत्वावधान में तहसील करनैलगंज, विकास खंड हलधरमऊ, नगर करनैलगंज के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं द्वारा ..उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राजस्थान हिमाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल कल्याण सिंह के निधन पर एक शोक सभा का आयोजन करनैलगंज के ब्लॉक परिसर स्थित सभागार में किया गया। जिसका शुभारंभ मुख्य रूप से जिला महामंत्री धनंजय मणि त्रिपाठी व जिला कोषाध्यक्ष अरविंद गुप्ता ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। सभी अतिथियों ने कल्याण सिंह की स्मृतियों को याद करके उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का संचालन समाजसेवी सरदार जोगिंदर सिंह जानी ने किया। इस मौके पर हलधरमऊ के ब्लॉक मन्त्री अजय कुमार श्रीवास्तव, विजय मिश्रा, ओमप्रकाश तिवारी एबीवीपी, अनिरुद्ध तिवारी, राजन शुक्ला, अनिल गुप्ता, शनि गुप्ता, रजनीश पांडेय, अतुल सैनी, पवन शर्मा, बब्बन, अतुलेश, राजन गोस्वामी, रोशन सिंह सहित तमाम कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

महिला मंगल दल नें ग्रामीण स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता का किया आयोजन

शिवदयालगंज(गोंडा) जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल द्वारा महिला मंगल दल नें ग्रामीण स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन ब्लाक परिसर में आयोजित किया द्य इस प्रतियोगिता में दुल्लापुर, नवाबगंज गिर्द तथा कटरा भोगचंद की बालिकाओं नें भाग लिया। आयोजित इस प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकरी प्रियंका यादव मौजूद रहीं द्य ब्लॉक कमांडर बलराम निषाद नें बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं तथा बालिकाओं में खेलकूद की भावना जागृत करने के लिए जिला युवा कल्याण विभाग के द्वारा ग्राम स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है द्य उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में बालिकाओं नें कबड्डी, खो–खो के खेल का आयोजन किया गया तथा बालिकाओं को शिलाई कढ़ाई का प्रशिक्षण दिया गया है द्य उन्होंने कहा कि सीघ्र ही ब्लॉक स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन विभाग के द्वारा कराया जाएगा द्य इस प्रतियोगिता में अनामिका, सुलोचना, शिवानी, श्रीदेवी, मनीषा, रीमा यादव, रीतिका, रीतू वर्मा, मानषी, रोमन यादव, लक्ष्मी, ज्योति यादव सहित तमाम बालिकाओं नें प्रतिभाग किया।

व्यापार सभा के जिलाध्यक्ष का व्यापारियों ने किया स्वागत

अयोया। धर्म नगरी अयोध्या में नवनियुक्त समाजवादी व्यापार सभा जिला अध्यक्ष सुजीत जयसवाल का व्यापारियों ने स्वागत किया कार्यक्रम के आयोजक महानगर व्यापार सभा के महासचिव विजय यादव वा महानगर के उपाध्यक्ष नंद कुमार गुप्ता नंदू ने सभी अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव व संचालन व्यापारी नेता महानगर सचिव शक्ति जायसवाल ने किया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन ने कहा 22 में व्यापारियों के सहयोग से अखिलेश यादव की सरकार बनेगी योगी सरकार में व्यापारियों का उत्पीड़न चरम पर है व्यापारी नेता शक्ति जयसवाल ने कहा आज व्यापारियों को गुमराह किया जा रहा है ऐसी स्थिति में पूरी समाजवादी पार्टी व्यापारियों के साथ खड़ी है प्रवक्ता राकेश यादव ने बताया कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि मनोज जायसवाल महानगर अध्यक्ष श्यामकृष्ण श्रीवास्तव, महानगर महासचिव हामिद जफर मीसम,उपाध्यक्ष श्रीचंद यादव,पार्षद हाजी असद जिला प्रवक्ता चौधरी बलराम यादव, राकेश यादव ,शोएब खान, महेंद्र शुक्ला,महानगर अध्यक्ष व्यापार सभा बद्रीनाथ त्रिपाठी,अखिल श्रीवास्तव, श्री चंद्र मद्धेशिया, गणेश गुप्ता, सुनील कौशल, अवधेश मोदनवाल अरुण, आशीष, पवन, राकेश कसेरा, अमन सागर रामजी राय, मंगल सोनी, शिवा सोनी, दिनेश गुप्ता, शैलेंद्र सोनी, मोहन जायसवाल रामजी निगम, मोहन दुबे, महेंद्र गुप्ता, सुनील गुप्ता, मनीष गुप्ता, अंकुर कसेरा आदि लोग उपस्थित रहे।

ट्यूटर से ग्रसित मासूम के लिए मददगार बनें सपा नेता अंकित परिहार

उन्नाव। ट्यूमर जैसी घातक बीमारी से जूझ रही 3 साल की मासूम बच्ची के ऑपरेशन के लिए समाजवादी पार्टी के नेता अंकित परिहार ने पिता को सहायता राशि के कागजात सौपे। तहसील क्षेत्र के कस्बा बिहार में लाला खान की 3 वर्षीय मासूम बच्ची अक्सा खान के पेट में ट्यूमर की शिकायत है ट्यूमर के इस ऑपरेशन व इलाज की सहायता के लिए मासूम बच्ची के पिता ने जिला से लेकर लखनऊ तक की दौड़ लगाई तथा लोगो से गुहार भी की किंतु लाचार और बेबस पिता को मदद के नाम पर कोरा आश्वासन मिलता रहा। सोशल मीडिया के माध्यम से इस बात की जानकारी समाजवादी पार्टी के नेता अंकित परिहार को हुई तो वह उसकी मदद के लिए आगे आए और अपने प्रयास से ऑपरेशन के लिए सहायता राशि स्वीकृत प्रपत्र 28 अगस्त को कस्बा बिहार पहुंच कर पिता लाला खान को उपलब्ध कराया। लाचार बेबस पिता सहायता राशि के उन कागजातों को पाकर भीगी आंखों से अंकित परिहार का आभार ज्ञापित किया। शायद उसे नहीं मालूम था कि कोई फरिश्ता मेरी इस तरह से मदद करने के लिए आगे आकर घर बैठे मुझे मेरी मदद करेगा जबकि वह पूरी तरह से हार व थक चुका था। लेकिन अब उसे विश्वास हो गया है कि उसकी 3 साल की मासूम बच्ची का ऑपरेशन हो जाएगा।

खुद का है एक सवाल, क्यों पशु हूं न इंसान बना . . .

मर रही है गाय गौशालाएं साबित हो रही बेकार, गौसेवक अखिलेश अवस्थी ने किया धरना

उन्नाव, । न साधु संत न बैरागी, न मन का ही धनवान बना। खुद से खुद का है एक सवाल, क्यों पशु हूं न इंसान बना। संतों की डगर चला लेकिन, बदले तो बस वस्त्र आभूषण, मन में झांका तो अजब हाल, अंदर बैठे थे खरदूसन क्या क्या न किया क्या न कहा तन दुष्शासन मन रावन है, जो लाया था वो बेदाग चुनर, वो दिल को लाज अपावन है, महलों के ख्वाब सजोंता हूं, न मंदिर का दरबान बना, खुद से खुद का है इक सवाल। इन पंक्तियों को कहते हुए बेजुबानों के मसीहा माने जाने वाले गौसेवक अखिलेश अवस्थी अक्सर बेजुबान जीवों की उपेक्षा सरकारी गौशालाओं में होते हुए देखकर बिफर पडते हैं। उनका मानना ये है कि सरकार द्वारा संचालित कराई जा रही गौशालाओं में अगर इन जीवों के लिए चारा इत्यादि की व्यवस्था भी नही हो पा रही तो ऐसी योजनाओं के संचालक का क्या मकसद। बुनियादी स्तर पर बीजेपी की सरकार प्रदेश में आने के बाद सडकों पर घूमने वाले बेजुबान जीवों के रहने वाला उनके भोजन इत्यादि को देखते हुए गौशाओं के निर्माण की घोषणा हुयी, उधर इन जीवों के जीवन संवरने की आस कुछ इस कदर जागी कि लोगों ने सरकार के इस कदम की भूरि भूरि प्रशंसा की। लेकिन हद तब पार हो गयी जब गौशालाओं में जीवों की मौत के मामले सामने आने लगे। कई बार भुखमरी के चलते बीमार होकर भी गौवंशियों ने अपनी जान तक गवाई। अभी ताजा मामला पालिका की एक गौशाला का सामने आया है। जहां पर . 4 गायों की मौत हो गई। यह जानकारी हनुमंत जीव आश्रय सेवा संस्थान के संस्थापक एवं बेजुबान जीवों के मसीहा के रुप में सुविख्यात अखिलेश अवस्थी को जैसे ही हुयी उन्होने तत्काल धरने पर बैठने का दृढ़ निश्चय किया तो प्रशासन भी हरकत में आया। इधर गायों की मौत के बाद प्रशासन के हाथ पांव फूल गये उधर अखिलेश अवस्थी के धरने पर बैठने से लोग जुटने लगे। एक तरफ प्रशासन उक्त स्थल पर जांच करने पहुंचा तो दूसरी तरफ प्रशासन के ही अफसर उनको धरना समाप्त करने की मिन्नत करने में जुटे देखे गये। चूंकि अखिलेश अवस्थी द्वारा जनपद के सभी घायल जीवों का संरक्षण व सेवा पूरी निष्ठा के साथ की जाती है। ऐसे में प्रशासन ने उनके धरने पर बैठते ही अनुमान लगा लिया कि कही मामला मीडिया के माध्यम से लखनऊ में गर्माया तो उसकी गूंज राजधानी ही नही अपितु पूरे प्रदेश में इसका नकारात्मक असर सरकार की छवि पर पडेगा। ऐसे में यह अनुमान लगाना गलत न होगा कि सरकार बनते ही यह योजना प्राथमिकता में चलाई गई लेकिन धरातल पर इसकी हकीकत उलट आने के पीछे मुख्य कारण कही न कही प्रशासन की लापरवाही की चर्चाएं आम लोगो में हो रही है। पालिका की गौशाला में गौवंशियों के मौत के कारणों की भी टीम बनाकर जांच होनी चाहिए। हालांकि नपा के जिम्मेदार धरना स्थल पर पहुंचकर मान मनौवल करते देखे गये। लेकिन श्री अवस्थी ने तल्क लहजे में कह दिया कि अगर 24 घंटे में प्रशासन गौशालाओं की व्यवस्था सुदृढ एवं सुव्यस्थित नही कराता है तो मै पुनः धरने पर बैठने को बाध्य होउंगा।

पूर्व में भी कई बार शिकायतें तो की गई लेकिन प्रशासन ने अपने ढर्रे में सुधार करने की जहमत नही उठायी।

मुलायम सिंह यादव शिक्षक सम्मान समारोह को लेकर हुई बैठक

अयोध्या। समाजवादी पार्टी कार्यालय लोहिया भवन गुलाब बाड़ी फैजाबाद पर शिक्षक सभा की एक महत्वपूर्ण बैठक मुलायम सिंह यादव शिक्षक सम्मान समारोह की तैयारियों के संबंध में शिक्षक सभा जिला अध्यक्ष दान बहादुर सिंह की अध्यक्षता व महासचिव डॉ घनश्याम यादव के संचालन में आहूत की गई बैठक में सर्वप्रथम सम्मान शिक्षक सम्मान के लिए प्राप्त बायोडाटा पर चयन समिति के सदस्यों द्वारा व्यापक चर्चा पर "चर्चा की गई और चयन समिति ने कहा कल अपराहन तक चयनित 5 शिक्षकों की सूची शिक्षक सभा जिला अध्यक्ष दान बहादुर सिंह को उपलब्ध करा देगी बैठक को संबोधित करते हुए शिक्षक सभा जिला अध्यक्ष दान बहादुर सिंह ने कहा कि शिक्षक सभा विगत वर्षों की भांति माननीय मुलायम सिंह यादव शिक्षक सम्मान समारोह भव्यता के साथ कोविड– नियमों के अनु पालन में आयोजित किया जाएगा इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष गंगा सिंह यादव वरिष्ठ नेता छोटे लाल यादव सपा जिला प्रवक्ता चौधरी बलराम यादव ने भी बैठक मे अपने विचार रखे बैठक में विमल सिंह यादव अवनीश प्रताप सिंह जगन्नाथ यादव संत प्रसाद मिश्र तहसीलदार सिंह अंबुज मालवीय डॉक्टर चंद्रप्रकाश चौधरी रामचरित यादव विजय प्रताप सिंह डॉक्टर चंद्र प्रकाश वर्मा सत्य प्रकाश प्रभाकर सिंह लालचंद यादव अशोक कुमार साहनी यदुनंदन पांडे प्रदीप कुमार तिवारी तथा मृत्युंजय सिंह सहित अनेकों शिक्षक सम्मिलित रहे।

बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए मांगा जनसहयोग

बाढ़ की विभीषिका ने बरपाया कहर जनपद के कई गाँव हुए मौरुण्ड

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ क्षेत्र में बाढ़ कहर लोगों को प्रभावित किये हुए है। बाढ़ प्रभावित गांवों का जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। लोगों की मदद के लिए अधिवक्ता नागेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने जनसहयोग की अपील की है। उन्होंने सोसल मीडिया पर अपनी बात रखते हुए लिखा कि,– हम सभी देख सुन और जान रहे हैं कि शोहरतगढ़ क्षेत्र के आसपास कुछ गांव बाढ़ ग्रस्त है जहां जनजीवन असामान्य हो गया है। लोग पीने के पानी की किल्लत से जूझ रहे हैं भोजन के लिए परेशान है, किसी तरह कुछ खा पी कर रात गुजार रहे हैं। बाढ़ का पानी पीने को मजबूर हैं।लोगों से अपील करते हुए लिखा कि,– आप सभी शोहरतगढ़ क्षेत्र के लोगों से खासतौर से अपने नगर के लोगों से प्रार्थना है की धर्म, जाति, संप्रदाय, पार्टी आदि से

ऊपर उठकर, दिन बुधवार को सभी लोग अपने अपने घर से कम से कम एक वक्त का भोजन और पीने के पानी की व्यवस्था का इंतजाम करने की कृपा करें। जिससे समुचित साधनों के द्वारा उसे पात्र लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा सके। नगर की बड़े बुजुर्गों से प्रार्थना है कि इस काम में वह अपना आशीर्वाद और सहयोग दें। युवा वर्ग से निवेदन है कि वे इस सेवा कार्यक्रम भाग ले, और अपनी अगल–बगल के परिवारों को भी एक वक्त का भोजन और एक वक्त का पानी देने के लिए जागरूक करें। रामजानकी मंदिर परिसर में इकट्ठा होगा सभी सामान– बुधवार को समय 10 बजे से 1 बजे तक भोजन और पानी एकत्र करने की व्यवस्था बनाई गई है। सुविधा अनुसार जो चाहे वह श्री राम जानकी मंदिर में अपनी भोजन सेवा पहुंचा सकता है, और जो चाहे वह सुविधा अनुसार गोलघर में जंगी अंकल की दुकान पर भी अपनी सेवा पहुंचा सकता है। दोनों जगह से एकत्र करने के पश्चात भोजन को गाड़ी में रख कर समुचित स्थान और पात्र व्यक्तियों तक नगर के बड़े बुजुर्गों के आशीर्वाद से पहुंचाया जाएगा।

संदिग्ध अवस्था में मिला पक्षी हंस,हुई मौत

अनंत मिश्रा/दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उसका बाजार। वन विभाग नौगढ़ रेंज अंतर्गत उसका बाजार के ग्राम पंचायत फुलवरिया में बाढ़ से बह कर आए एक हंस पक्षी को स्थानीय लोगों ने बाहर निकाला ।उक्त सूचना पर चंदेश्वर सिंह डीएफओ सिद्धार्थनगर के निर्देश पर वन विभाग नौगढ़ रेंज के माली स्वामीनाथ ने ग्राम वासियों की मदद से उसे अपने सुपुर्दगी में लेकर पशु चिकित्सालय उसका बाजार में इलाज कराया। उक्त पंछी का पंख टूट गया था , उसकी हालत गंभीर थी। वन विभाग के कर्मचारी ने उक्त घायल हंस पक्षी को अपने सुपुर्दगी में लेकर नौगढ़ रेंज में स्वस्थ होने तक अपने सुपुर्दगी में रखे थे और उसपर नजर रखी जा रही थी।क्षेत्रीय वन अधिकारी नौगढ़ के मुताबिक उक्त गंभीर रूप ले घायल हंस पक्षी के मृत हो जाने पर उसे वन विभाग के कर्मचारियों ने पशु चिकित्सालय उसका बाजार में पोस्टमार्टम कराकर दफना दिया।

बाढ़ क्षेत्रों में बाटे राशन सांसद जगदंबिका पाल

दैनिक बुद्ध का सन्देश

उसका बाजार । उसका ब्लॉक परिसर में मैरूंड वाले क्षेत्रों में डुमरियागंज के सांसद जगदंबिका पाल ने किया राशन वितरण ग्रामीणों ने राशन पाकर की प्रशंसा जगदंबिका पाल ने कहा कि जबसे भाजपा सरकार आई है किसानों के हित में काम की है और शिक्षक विधायक ध रुव कुमार त्रिपाठी ने भी भाजपा सरकार की कदम को सराहनीय बताया है उसका बाजार में दर्जनों गांव के ऊपर बाढ़ के चपेट में है लोग घर छोड़ कर बंधे पर रह रहे है और किसान की पूरी फसल बर्बाद हो गई है राशन में ग्रामीणों को दिया गया 10किलो आटा ,2 किलो दाल,2 किलो भुजा चना,1 लीटर तेल,500 ग्राम मसाला,10किलो आलू,10पैकेट बिस्किट,10किलो लाई,नमक, हल्दी आदि समाने दी गई। इसमें उपस्थित सांसद जगदंबिकापाल, शिक्षक विधायक ध रुव त्रिपाठी,अपर जिला अधिकारी ,खण्ड विकास अधिकारी संजय कुमार,तहसीलदार , लेखपाल रामकरन गुप्ता,सरोज शुक्ला , बिंदुमती मिश्रा, हेमंत जायसवाल, राम भरोस चौहान , एसपी अग्रवाल,ओंकार पांडेय,अनूप सिंह , अखंड सिंह, दिलीप सिंह,सिद्धार्थ सिंह, जहीर सिद्दकी, करन पांडेय , रामकेश पांडेय आदि लोग रहे मौजूद।

बाल संरक्षण समिति की बैठक में बच्चो एवं महिलाओं के अधिकारों को लेकर हुई चर्चा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। बाल अधिकारों को सुरक्षित रखने एवं बच्चो को उनके अधिकारों को दिलाने के उद्देश्य से मानव सेवा संस्थान द्वारा संचालित ग्राम स्तरीय बाल सुरक्षा समिति सलहंतपुर, फरसदीपुर, दुल्हा शुमाली गांव की बैठक ग्राम प्रधान एवं समिति के अध्यक्ष नीतू पांडेय की अध्यक्षता में सोमवार को लाईफ गार्ड सेंटर ककरहवा कार्यालय पर सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते ग्राम प्रधान नीतू पांडेय ने कहा कि बच्चों के अधिकार के लिए संस्थान द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है, और उनके अधिकारों को दिलाने के लिए हर सम्भव ग्राम पंचायत प्रयासरत है, बैठक को संबोधित करते हुए केंद्र प्रभारी जय प्रकाश गुप्ता ने कहा कि समिति में शामिल सभी लोगो को बाल अधिकारों को जानने की जरूरत है, और हर बच्चे को उनका अधिकार दिलाने के लिए सकारात्मक पहल करने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि बच्चों को शिक्षा, खेल, मनोरंजन, घूमने, पोषण, अभिव्यक्ति, स्वतंत्रता के साथ साथ गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार है। उन्होंने सबको संकल्प दिलाया कि खुद से बच्चो को उनका अधिकार दें और दूसरो को भी प्रेरित करें। बैठक में वालंटियर्स विष्णु कुमार, शिव प्रकाश, सन्नू कुमार, शिक्षक दीक्षा तिवारी, इंद्रावती देवी, मुकेश कुमार, शकुन्तला देवी, लालितादेवी श्रीवास्तव, रेखा श्रीवास्तव, नंदलाल, राम कुमार, जीवन माया श्रीवास्तव, बेबी त्रिपाठी, अंजनी गुप्ता, आकांक्षा वर्मा सहित वी एल सी पी सी के सदस्य एवं पदाधिकारी मौजूद रहे ।

बिजली गिरने से कारोबारी की मौत

दैनिक बुद्ध का सन्देश

डुमरियागंज। हल्लौर गांव में शनिवार रात बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। दो बकरियों की भी मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंचे एसडीएम त्रिभुवन कुमार ने सहायता दिलाने का भरोसा दिया। ग्राम हल्लौर निवासी कल्लू (65) की बैदौला में मीट की दुकान है। शनिवार रात करीब 10 बजे वह बैदौला स्थित दुकान बंद कर घर लौटा था, वह घर के मेन गेट पर पहुंचा था कि गरज–चमक के साथ मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। अचानक उसके मकान के गेट पर बिजली गिर गई। चपेट में आने से कल्लू व वहां बंधी दो बकरियों की मौके पर मौत हो गई। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंचे एसडीएम त्रिभुवन कुमार ने कल्लू के परिजनों को ढांढस बंधाया और सरकारी आर्थिक सहायता शीघ्र दिलाने का आश्वासन दिया। डुमरियागंज के तहसीलदार राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि बिजली से ग्राम हल्लौर में एक व्यक्ति व दो मवेशियों की मौत की सूचना मिली है। मौके पर हल्का लेखपाल को भेजकर आख्या रिपोर्ट प्रेषित करने के लिए निर्देशित किया गया है। रिपोर्ट मिलने के बाद मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता दी जाएगी।

बाढ़ प्रभावित गांव का लेखपाल ने लिया जायजा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। सदर तहसील क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित गांव में

सोमवार को हल्का लेखपाल सुभाषचंद्र मौर्य ने प्रधान प्रतिनिधि मोहम्मद सईद के साथ मौके पर जाकर जायजा लिया। लेखपाल व प्रधान प्रतिनिधि ने ग्राम पंचायत बर्डपुर नम्बर 11 के सतकोठिया, सोनपुर, हसनापुर, बरगदही, दयानगर, दौलतपुर आदि गांव के जायजा लिया और मौके पर ग्रामीणों को प्रशासन द्वारा मिलने वाली आर्थिक सहायता का आश्वासन दिया। प्रधान प्रतिनिधि मोहम्मद सईद ने बताया कि विगत एक सप्ताह से बाढ़ के पानी से धान की फसल नष्ट हो गया है। जिसे लेकर एसडीएम को प्रार्थना पत्र देकर मुआवजा की मांग किया था। एसडीएम ने मौके पर हल्का लेखपाल को भेजकर मौके का निरीक्षण किए है। लेखपाल सुभाषचंद्र मौर्य ने बताया कि लगातार बाढ़ का पानी बढ़ रहा है। इसी जानकारी एसडीएम व तहसीलदार को भेजा जा चुका है।

वरिष्ठ समाजवादी नेता की मनाई गई पुण्यतिथि

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोला। गोरखपुर। चिल्लू पार विधानसभा के वरिष्ठ समाजवादी नेता रहे स्वर्गीय श्री इंद्रदेव यादव जी की पांचवी पुण्यतिथि पर उनके पैतृक गांव ग्राम पंचायत चिंलवा में उनके पुत्र श्री अखिलेश यादव नेता समाजवादी पार्टी नेता के द्वा रा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर पुण्यतिथि मनाई गई और दिवंगत सामाजवादी नेता को याद किया गया इस अवसर पर मुख्य रूप से चिल्लू पार विधानसभा के विधानसभा अध्यक्ष श्री राजेश यादव जी, विधानसभा चिल्लू पार के वरिष्ठ नेता श्री मनीष पांडे जी, घनानंद यादव, मिर्जा कदीर वेग ,रमाशंकर यादव, धर्मेंद्र यादव, अंकुर पांडे, छोटे मिश्रा, अनुज तिवारी ,आर्यन मिश्रा ,विपिन मिश्रा, बृजेश कुमार गौतम ,पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री सोमनाथ यादव ,अवध नारायण यादव, सूरज शुक्ला, विनय चंद, पूर्व ब्लाक प्रमुख बड़हलगंज श्री विजय कुमार यादव, श्री संतोष तिवारी ,राम लखन गौड़ हरेंद्र यादव, कुश यादव सहित बहुत संख्या में समाजवादी पार्टी के नेता कार्यकर्ता व ग्रामवासी उपस्थित रहे।

बूढी राप्ती नदी पर बने बांधो मे दिखने लगा रिसाव, क्षेत्र मे बना दहशत का माहौल

रवि जायसवाल/

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। ककरही के गोनहा बांध, सूपाघाट से गोनहा बांध पर नदी का रिसाव जगह जगह बांधो के निचे से दिखने लगा है और पानी निकल रहा। जिसको लेकर गांव और क्षेत्र मे बना दहशत का माहौल आप को बता दे की मोरंग –गिट्टी से ठेकेदार रिसव को रोकने का प्रयास कर रहे है लेकिन यह केवल इतिश्री कर रहे है रिसाव नहीं हो रहा बंद केवल सूखे समय नहीं जागता सिचाई विभाग बांधो के मरम्मत मे होती है लीपापोती इस समय पुरे जनपद में खास कर डुमरियागंज क्षेत्र के बढ़या, बुढिया टायर, पेडरियाजीत, तेतरी, वीरपुर कोहल, मेहदुआ, डिवलीडीह मिश्र, बहेरिया के भलुआही, चौराबनगवां

के चौरामाफी, बगहवा सहित कई गांव जलमग्न हैं। दर्जन भर से अधिक प्रमुख सड़कों पर राप्ती नदी का पानी चल रहा है। ग्रामीणों के सामने कई मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। इटवा क्षेत्र में दर्जन भर से अधिक गांव बाढ़ के पानी से डूबे हैं। सड़कें बाढ़ के पानी में डूबी हुई हैं। राप्ती नदी का पानी डुमरियागंज व इटवा क्षेत्र में कहर बरपा किए हुए है। उस्का, ककरहवा, जोगिया, बांसी, शोहरतगढ़ क्षेत्र में बाढ़ का कहर बढ़ गया है। दर्जनों गांव बाढ़ से प्रभावित हो गए हैं। किसानों की हजारों बीघा धान की फसल बाढ़ के पानी में डूब गई है। इससे किसान परेशान हैं। बांसी के चेतिया से जिला मुख्यालय जाने वाले मार्ग पर बाढ़ का पानी चढ़ गया है। उस्का–अजिगरा मार्ग पर बूढ़ी राप्ती नदी का पानी चढ़ गया है। उस्का क्षेत्र में बहने वाली कूड़ा व बूढ़ी राप्ती नदियां उफान पर हैं। बाढ़ के पानी से दोआबा क्षेत्र के नटवा, बागहिया, हथिवड़ताल, पनियहवा, ताल भिरौना, अमरिया आदि दर्जनों गांव जलमग्न है। वहीं नगर पंचायत उस्का के चौबेडीह, रेहरवा टोले के चारों ओर पानी भर गया है। लोगों के घरों से बाहर निकला दूभर हो गया है। रामनगर वार्ड व राजेन्द्र नगर वार्ड में भी कूड़ा नदी के बाढ़ का पानी पहुंच गया है। यहां भी सड़कों पर पानी लगा है।

सर्व सहमति से रामामऊ कुटी के महंत बनाएं गए श्रीष दास जी महराज

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोला/गोरखपुर। गोला क्षेत्र के अति प्राचीन मंदिर रामामऊ

जो ठाकुर जी का मंदिर है। मई 2021 में यहां के महंत ब्रह्मलीन हो गये। उसके बाद से यहां पर कोई योग्य पंडित नही था। इस मंदिर की देखरेख तत्काल में सीता शरण दास जी देख रहे थे। मंदिर में समुचित पुजा पाठ न होने के चलते यहां के स्थानीय लोग चिंचित थे।आज हजारों की संख्या में मंदिर पर एकत्रित हो कर। मंदिर को कीसी अच्छे हाथ में सौपने की बैठक की। गोला क्षेत्र के रामामऊ मंदिर पर हो रही बैठ की अध्यक्षता मदरिया सिद्ध पीठ के महंत श्रीष दास जी महराज ने की और संचालन विनोद तिवारी ने कीया।बैठक का आरम्भ माननीय महराज जी को फुल माला पहना कर कीया गया। बैठक में सभी लोग एक सुर में मंदिर का महिमा मण्डन करते हुए मदरिया शक्ति पीठ के महंत श्री श्रीष दास जी महराज को मंदिर के महंत बनने की आग्रह कीया। महराज जी सबका आदर करते हुए यह पद स्वीकार कर लिया। महराज जी के स्विकारते ही मंदिर में जय घोष गुंजायमान हो उठा। बहुत से दानवीरों ने अपने सामर्थ्य के अनुसार मंदिर उद्धार के लिए तुरत दान की घोषणा की। यहां पर प्रमुख रुप से डा अनिल तिवारी, सचिन नायक मैनेजर इण्डिन बैंक पड़ौली, घनश्याम कसौधन, निशित राय, अनुप तिवारी, प्रवीण तिवारी, सुनील तिवारी, अरुण राय, अनिल मिश्रा आदि भारी संख्या में लोग उपस्थित थे।

रेहड़ी व फुटपाथ व्यवसायियों के लिए योजना आर्थिक सुदृढ़ता का प्रतीक हैं–गुड्डू खान'

दैनिक बुद्ध का सन्देश

नौतनवां। उत्तर–प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री मान0 'परमपूज्य

योगी आदित्यनाथ' जी महाराज ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना व प्रधानमंत्री स्व0 निधि योजना के लाभार्थियों से सम्बाद स्थापित कर आवास योजना के 2 लाख 853 लाभार्थियो के खाते में ऑनलाइन धनराशि स्थानांतरित करते हुए कहा कि ष्हमारी सरकार जनहित से सम्बंधित सभी योजनाओं को जातिवाद या वंशवाद में बिना भेदभाव के आमजन तक पहुचाने का कार्य कर रही हैं।।कार्यक्रम के सीधे प्रसारण की व्यवस्था नौतनवा नगर पालिका अध्यक्ष 'गुड्डू खान' की देखरेख में नौतनवा बिधायक मान0 'अमन मणि त्रिपाठी' के कार्यालय पर की गई जहां दोनों योजनाओं के लाभार्थियों ने इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा। 'पालिका अध्यक्ष' ने आवास योजना के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित करते हुए बताया कि प्रेहड़ी व फुटपाथ पर अपना व्यवसाय करने वाले लोगो के लिए स्व निधि योजना से जहॉ आमजन की आथिक स्थिति सुदृढ हो रही हैं वही प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के अंतर्गत मिलने वाले धन से अपना खुद का एक मकान भी बन जा रहा हैं। पालिका के अधिशासी अधिकारी 'बिरेन्द्र कुमार राव' ने बताया कि ष्शासन की सभी योजनाओ का समय– समय पर प्रचार प्रसार कर आमजन तक पहुचाना ही हमारा लक्ष्य हैं। इस अवसर पर शाहनवाज खान, भानू कुमार, किसमती देवी, मो0 शकील, गुड़डू अन्सारी, संजय मौर्या, विशाल जाय0,रामबृक्ष प्रसाद,अमित यादव,प्रमोद पाठक, मो0 फैज, श्रीनेत सिंह, हिमांशु तिवारी,अभिजीत कुमार, दीपक आदि लोग उपस्थित रहे।

भाजपा सरकार किसी के साथ भेद भाव नहीं कर रहीः सांसद जगदंबिकापाल

मुख्यमंत्री ने वीडियो कांफ्रेंसिंग से लोगो से की संवाद'

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत उसका बाजार के कार्यालय पर प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से लाभार्थियों प्रथम किस्त भेजा गया मुख्य अतिथि में डुमरियागंज के सांसद जगदंबिकापाल रहे सांसद जगदंबिका पाल ने नगर पंचायत उसका बाजार के वासियों को बधाई भी दी और पिछले सरकार और भाजपा सरकार की उपलब्धियों के बारे में बताए जगदंबिका पाल ने कहा कि पिछले सरकार में वर्ष ने एक या दो ही आवास आते थे लेकिन जब से भाजपा सरकार बनी जाती का भेद भाव नहीं कर रही है सबका साथ सबका विकास के साथ चल रही है इस सरकार में शौचालय बनवाई जिससे लोग बाहर न निकले स्वच्छ रहे नगर पंचायत उसका बाजार सबसे ज्यादा आवास लाभार्थी पाए है इसको लेकर अधिशासी अधिकारी जितेंद्र कुमार यादव, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सुरेश यादव को बधाई दी। इसमें उपस्थित डुमरियागंज के सांसद जगदंबिका पाल, अपर जिला अधिकारी अनिल कुमार रस्तोगी, अधिशाषी अधिकारी जितेंद्र कुमार यादव , नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सुरेश यादव, सचितानन्द चौबे,हेमंत जायसवाल, बिंदु मती मिश्रा, पन्ना लाल यादव आदि लोग रहे मौजूद।

सम्पादकीय

इसी तरह मुंबई, दिल्ली, हैदराबाद और बेंगलुरु के हवाई अड्डों के विमुद्रीकरण से लाभ के लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं। वहीं बिजली क्षेत्र की विसंगतियों पर भी ध्यान दिया जाये। पंजाब में निजी बिजली कंपनियों को प्रबंधन सौंपे जाने के सकारात्मक परिणाम नहीं मिले हैं। यहां बिजली ...

साहसिक सुधार

मोदी सरकार का उद्घोष रहा है कि सरकार को खुद कारोबार नहीं करना चाहिए। लगता है कि सरकारी व सार्वजनिक क्षेत्र की संपत्तियों के विमुद्रीकरण के जरिये सरकार उसी दिशा में बढ़ गई है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि विश्वव्यापी कोरोना संकट से देश की अर्थव्यवस्था को गहरी चोट पहुंची है। सरकार की जिम्मेदारी बढ़ी है तो आय के स्रोतों का संकुचन हुआ है। ऐसे में नेशनल मोनोटाइजेशन पाइपलाइन योजना का क्रियान्वयन देश की आर्थिकी को गति देने वाला साबित हो सकता है। दरअसल, एनएमपी योजना में आधारभूत संरचना के विमुद्रीकरण के जरिये सरकार ने आने वाले चार सालों में छह लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है। वैसे तो वित्त मंत्री ने आम बजट में इस योजना का जिक्र किया था, लेकिन उसकी रूपरेखा का खुलासा अब जाकर किया है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने आधारभूत संरचना के प्रमुख क्षेत्रों सड़क, रेलवे, बिजली, तेल व गैस पाइपलाइन व दूरसंचार आदि क्षेत्र निजी कंपनियों के लिये खोले हैं। सरकार कह रही है कि इन संपत्तियों का विमुद्रीकरण तो किया जा रहा है, लेकिन संपत्ति पर स्वामित्व सरकार का बना रहेगा। जाहिरा तौर पर यह राष्ट्रीय संपत्ति है, इसकी सुरक्षा को लेकर सरकार को आम जनता को भरोसा देना होगा। दरअसल, कांग्रेस समेत कुछ राजनीतिक दल सरकारी संपत्ति को बेचने के आरोप लगा रहे हैं। ऐसे में सरकार को इस योजना से जुड़ी हर आशंका को दूर करना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि नरसिम्हा राव सरकार के बाद देश में निजीकरण की जो बयार चली, उसमें दूसरी सरकारों ने भी अपनी–अपनी तरह से योगदान दिया। लेकिन निजीकरण के अपेक्षित लक्ष्य हासिल नहीं किये जा सके। वहीं दूसरी ओर उत्पादकता व आर्थिकी के लिहाज से देश के अधिकांश सार्वजनिक उपक्रम वक्त की कसौटी पर खरे नहीं उतरे। ऐसे में सरकार को सरकारी संपत्ति की विमुद्रीकरण योजना में निवेशकों को आकर्षित करने के लिये कारगर कदम उठाने होंगे। इसमें दो राय नहीं कि राष्ट्रीय विमुद्रीकरण पाइपलाइन एक महत्वाकांक्षी योजना है। इन संपत्तियों में सरकारी निवेश के बावजूद अपेक्षित लक्ष्य हासिल नहीं हुए हैं। सरकार की योजना है कि निजी क्षेत्र के प्रबंधन से इन सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार आयेगा और सरकार की जवाबदेही कम होगी। लेकिन सरकार को इस दिशा में पूरी पारदर्शिता स्थापित करके देश की जनता को विश्वास में लेना होगा कि निजी क्षेत्र को निरंकुश व्यवहार की इजाजत नहीं दी जाएगी। इन संपत्तियों को कंपनियों द्वारा कालांतर सार्वजनिक प्राधिकरण को स्थानांतरित करना होगा। ऐसा भी न हो कि निजी कंपनियों की मनमानी से सेवा का मूल्य इतना अधिक कर दिया जाये कि आम लोगों की दुश्वारियां असहनीय हो जायें। दरअसल, रेलवे व अन्य सेवाओं का उपयोग समाज का अंतिम व्यक्ति जीवन निर्वाह के लिये करता है। ऐसे में नियामक संस्थाओं को कंपनियों के मनमाने व्यवहार पर नजर रखनी होगी। एनएमपी दस्तावेज के अनुसार 1.6 लाख करोड़ रुपये राष्ट्रीय राजमार्गों व नयी सड़कों के विमुद्रीकरण से आने की उम्मीद है। लेकिन साथ ही निजी कंपनियों के सुचारु संचालन के लिये अनुकूल वातावरण प्रदान करना केंद्र व राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है। बीते कई महीनों से चल रहे किसान आंदोलन के कारण हरियाणा–पंजाब के तमाम टोल प्लाजा बंद करने पड़े हैं, जिससे प्रतिदिन पांच करोड़ का नुकसान हो रहा है। इस तरह के व्यवधान निवेशकों का उत्साह कम करेंगे।

बोया डोडा तो मेवा कहाँ से होए

राजशेखर चौबे

आजकल लगभग सभी लोगों ने यानी अच्छी नजर वाले, बुरी नजर वाले और यहां तक कि अंधों ने भी अपना–अपना चश्मा बनवा रखा है । हम सभी लोग जरूरत के मुताबिक अपनी आंखों पर अपना चश्मा चढ़ा लेते हैं और किसी भी घटना को अपने नजरिए से देखते हैं । यह चश्मों का स्वर्ण युग है । चश्मेबद्दूर , कहीं किसी की नजर न लग जाए। अफगानिस्तान की घटना भी अपवाद नहीं है और इसने सोशल मीडिया के वीरों में एक नई ऊर्जा का संचार कर दिया है । कंधार से हमारी यादें जुड़ी हैं और यह हमारे लिए दुरूस्वप्न की तरह है । यहीं हमें दुर्दांत दहशतगर्दों को छोडना पड़ा था हालांकि यही कंधार पंजाब के राजा रंजीत सिंह का एक सूबा हुआ करता था । इतिहास खंगालने वालों के लिए क्या यह एक नया मुद्दा हो सकता है ?अफगानिस्तान के ताजा घटनाक्रम पर सेना के गुलाम पाक प्रधानमंत्री का नापाक बयान आया है कि अफगानिस्तान ने गुलामी की जंजीरों को उखाड़ फेंका है और अब वे आजाद हो गए हैं । आखिर क्यों अफगानी आजादी से गुलामी की ओर भाग रहे हैं और अपनी जान की भी परवाह नहीं कर रहे हैं । उन्हें विमान से गिरकर मर जाना गवारा है पर ऐसी आजादी मंजूर नहीं है । सही कहा इश्कबाज क्रिकेटर ने अब वहाँ की आधी नहीं पूरी आबादी ही आजाद है । वहाँ अब आजादी ही आजादी है – घर के भीतर रहने की आजादी, कोड़े खाने की आजादी ,बुर्का पहनने की आजादी, खवातीनों को स्कूल कॉलेज और नौकरी से आजादी, हाथ कटवाने की आजादी, शरिया कानून मानने की आजादी, सिर कलम करवाने की आजादी, गोली खाने की आजादी । क्या इतनी आजादी कम है ? क्या वे अपने मुल्क में भी ऐसी आजादी लाना पसंद करेंगे ? दहशतगर्दों और गधों का निर्यात करने वाले क्या अब इस अद्भुत आजादी का आयात करेंगे । अफगानिस्तान से रूस को बेदखल करने के लिए अमेरिका ने तालिबान और अलकायदा को बढ़ावा दिया और अब तालिबान ने जन विरोध के बाद भी चीन पाकिस्तान और रूस की मदद से अमेरिकियों को बाहर निकलने को मजबूर कर दिया है । अब यही कहा जाएगा – बोया तालिबान तो अफगान कहां से होए और बोया डोडा तो मेवा कहाँ से होए । सुना है अब चीन भी तालिबान और डोडा की खेती करने वाला है । अमेरिका और अन्य देशों ने अफगानिस्तान में अरबों रुपए निवेश किए हैं । अमेरिका ने अपनी सेना को हथियार , गोला बारूद, ड्रोन, टैंक, विमान , आदि मुहैया करवाए और अपने आप को वहां का चौकीदार घोषित किया था । अब इन सब पर तालिबान का कब्जा है अतरू यही कहा जाएगा चौकीदार का माल चांडाल खाए । अमेरिका अपने सैनिकों को लेकर फुर्र हो गया है , वही अशरफ गनी मनी लेकर फुर्र हो गया है । इतना मनी कि वह विमान में भी नहीं समा रहा था । उसे मालूम है सबसे बड़ा रुपैया । केवल फिल्मों के ही महानायक उनसे यही कहेंगे – अब तो अशरफ तू भागताइच रहेगा ।शरीफ (?) शरीफ और बदमाश मुशर्रफ और अब अशरफ तक इन पड़ोसियों ने भागने का ही रिकॉर्ड बनाया है । तालिबानी अशरफ से शायद यही कहेंगे –

हमसे रूठ कर कहां जाइएगा, जहां जाइएगा हमें पाइएगा।

वंचितों के हिस्से के अमृत का हक

कितना अच्छा होता नीतीश कुमार केंद्र के समक्ष यह प्रश्न लेकर आते कि उन सबकी संख्या और दयनीय स्थिति देश के सामने रखें, जिन्हें अमृत महोत्सव में भी अमृत तो दूर, रोटी ही नहीं मिल रही। नए कपड़े तो दूर जो कफन के लिए भी मोहताज हैं। सच तो यह है कि राजनीतिक जाति प्रेम के लबादे में भी सत्ता प्रेम ही झलकता है...

लक्ष्मीकांता चावला

इन दिनों देश के राजनीतिक गलियारों में और सत्तापतियों में एक होड़ लगी है कि किसी तरह आगामी जनगणना जाति के आधार पर हो। पिछले वर्षों में भी आरक्षण के लिए जातियों के आधार पर कुछ गणना होती रही है और अब जो मांग की जा रही है, उसका रूप कुछ अलग है। भारत में तीन हजार से ज्यादा जातियां, उपजातियां हैं। इन सबकी अलग–अलग गिनती और उसके आधार पर ही इन जातियों के लोगों के विकास के लिए कार्य करना, योजनाएं बनाना, उनके लिए आरक्षण रखना बहुत टेढ़ा काम है।

आश्चर्य है कि जिस देश में पहले एक ही जाति होती थी– हिंदी हैं हम वतन हैं, हिंदुस्तान हमारा। अब हिंदी अर्थात हिंदुस्तानी शब्द पीछे रह गया है और जातियां चुनावी रण का सबसे महत्वपूर्ण शस्त्र बन चुकी हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तो लगभग एक दर्जन बिहार की विभिन्न पार्टियों के नेताओं को साथ लेकर प्रधानमंत्री को इसी सप्ताह ही मिले हैं।

सर्वविदित है कि भारत सरकार पहले जाति के आधार पर जनगणना करवाने से इनकार करती रही है, पर अब बिहार समेत बहुत से राज्यों से जब यह मांग आने लगी है तो सरकार इस विषय पर यद्यपि अभी कोई निर्णय नहीं ले रही। इसमें कोई संदेह नहीं कि स्वतंत्रता से पूर्व पिछले सैकड़ों वर्षों तक देश में जाति के आधार पर शोषण भी होता रहा है। सावित्री बाई फूले के संदर्भ में सुनने को मिला कि धर्म के कुछ ठेकेदारों ने लोगों को यह विश्वास करवा दिया था कि अगर कोई लड़की शिक्षा प्राप्त करेगी तो उसका पति या पिता मौत के मुंह में चला जाएगा।

बहुत पुरानी बात नहीं जब हिंदी की महान कवयित्री महादेवी वर्मा ने मुझे यह बताया था कि उन्हें संस्कृत शिक्षा प्राप्त करने में कितनी कठिनाई आई, क्योंकि लड़कियों को संस्कृत पढ़ाना भी एक प्रकार से धार्मिक अपराध था। यह कटु सत्य है कि जातिवाद की खाई गहरी करने में देश के राजनेताओं का हाथ है।

आज देश में जो परिस्थितियां हैं, उनके तहत गरीब और गरीब होता जा रहा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार बीस करोड़ लोग भारत में भूखे सोते हैं। सरकार कहती है कि अस्सी करोड़ लोगों को मुफ्त राशन इसलिए देना पड़ता है ताकि वे भूख और बेरोजगारी का सामना कर सकें। ऐसी हालत में अगर कोई जनगणना जाति या वर्ग के आधार पर ही होनी है तो फिर क्यों न उन वंचितों की, की जाए जिन्हें कभी शिक्षा नहीं मिली, दो समय की रोटी नहीं मिली, रहने को छत नहीं, और मेडिकल सुविधा तो दूर की बात है।

अब तो एक अभागे बेटे के कफन के लिए महाराष्ट्र के पालघर के कालू पवार को पांच सौ रुपये का ऋण लेना पड़ा, जिसके लिए वह कर्जदाता का बंधुआ मजदूर बना और अपमान न सहते हुए आत्महत्या कर गया। क्या इससे ज्यादा राष्ट्रीय शर्म का और कोई विषय हो सकता है? क्या इससे ज्यादा गरीबी, बेबसी का कोई और वीभत्स उदारण हो सकता है?

पिछले कुछ वर्षों में देश ने देखा कि किसी गरीब का रिश्तेदार, पत्नी, पुत्र, पिता अस्पताल में या गांव में मौत के मुंह में चला जाए तो उसे कंधे पर, साइकिल पर या ठेले पर लाश ढोकर घर या श्मशानघाट तक ले जाना पड़ता था। क्या इस देश का यह सच नहीं कि बेकारी और गरीबी के कारण बच्चों समेत अनेक लोगों ने आत्महत्या की? बेटे के कफन के लिए पांच सौ रुपये का ऋण, जिसे लेना पड़ा, वह कितना मजबूर होगा और कितनी मजबूरी में दुनिया छोड़ गया। क्या इससे शासकों के, समाजसेवियों के, धर्म के ठेकेदारों के या देश की स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव मनाने वालों के हृदय छलनी हुए? सवाल तो यह है कि हमारी स्वतंत्रता का अमृत देश के हजारों वीरों का खून देकर मिला है। आजादी का आनंद हम लोग जो मना रहे हैं, वे उसी शहीदी खून का परिणाम है, पर स्वतंत्रता का जो अमृत महोत्सव हम भारतवासी मना रहे हैं, जरा सोचना होगा कि उस अमृत की कुछ बूंदें ही सही, क्या उनके लिए नहीं हैं जो वंचित हैं, भूखे हैं। शिक्षा और चिकित्सा सुविधाओं से बहुत दूर हैं। रोटी तो क्या, कफन के लिए भी लाचार हैं।

कितना अच्छा होता नीतीश कुमार केंद्र के समक्ष यह प्रश्न लेकर आते कि उन सबकी संख्या और दयनीय स्थिति देश के सामने रखें, जिन्हें अमृत महोत्सव में भी अमृत तो दूर, रोटी ही नहीं मिल रही। नए कपड़े तो दूर जो कफन के लिए भी मोहताज हैं। सच तो यह है कि राजनीतिक जाति प्रेम के लबादे में भी सत्ता प्रेम ही झलकता है।

मुझे लगता है कि हालत आज भी वैसी है, लेकिन आवश्यकता यह है कि जनता पूछे उन सबसे जो उनके वोट और टैक्स लेकर केवल अपनी और अपने परिवारों की सुख सुविधाओं में ही मस्त हो जाते हैं। काश! इस अमृत महोत्सव में अमृत की कुछ बूंदें सारे वंचितों को मिलें।

इसी तरह एक या कुछ सम्प्रदायों के लिए 70 प्रतिशत आरक्षण दें और बाकी लोगों के लिए प्रतियोगिता में सिर्फ तीस प्रतिशत जगह बचे, यह भी अवसर–समता के सिद्धांत को अमली रूप देने के ख्याल से ठीक नहीं होगा। इसका मतलब यह है कि आरक्षण भी अवसर–समता के सिद्धांत के अनुरूप रखना होगाय इसीलिए मेरी राय में आरक्षण सीमित जगहों के लिए ही होना चाहिए...

अवसर–समता के सिद्धांत व आरक्षण राजनीति

उमेश चतुर्वेदी

हाल में संसद द्वारा 127वें संविधान संशोधन को मंजूरी देने के बाद आरक्षण की व्यवस्था एक बार फिर चर्चा में है। इस संशोधन का मकसद पिछड़े वर्ग की अपने यहां के जातिगत आधार पर सूची बनाने का अधिकार राज्यों को देना है। इससे गैर आरक्षित या गैर पिछड़े आरक्षित वर्ग के लोग हों, इस संविधान संशोधन से उनकी सेहत पर असर नहीं पडने वाला है। लेकिन इससे एक स्पष्ट संकेत तो मिलता ही है कि राजनीति के चक्कर में आरक्षण की व्यवस्था वहां पहुंच गई है जहां से उसका वापस लौट पाना संभव नहीं। आरक्षण की व्यवस्था करते वक्त संविधान सभा सोच रही थी कि इस व्यवस्था के बाद समाज खुद ही छुआछूत की व्यवस्था को तोड़ देगा और एक दिन ऐसा आएगा, जब भारत की बुनियाद समता मूलक समाज होगा।

सवाल यह है कि क्या संविधान सभा की सोच के मुताबिक देश इस दिशा में आगे बढ़ पाया है? निश्चित तौर पर इसका जवाब न में है। जाति तोडने के लिए बनी आरक्षण व्यवस्था जाति आधारित राजनीतिक ताकत हासिल करने की व्यवस्था को मजबूत करती जा रही है। इस वजह से हर जाति कम से कम राजनीतिक स्तर पर खुद के लिए आरक्षण हासिल करने में ही अपनी ताकत देख रही है। इस पूरी प्रक्रिया में गैर आरक्षित समुदाय खुद और अपने सामुदायिक भविष्य की हालत को चुपचाप देखता नजर आ रहा है। हाल के वर्षों में आरक्षण विरोधी आंदोलन चूंकि नाकाम रहे हैं, इसका भान गैर आरक्षित वर्ग के लोगों को है। लिहाजा वह चुप है, लेकिन वह कुछ–कुछ उसी तरह सोच रहा है, जिसकी आशंका आरक्षण पर हुई बहस के दौरान संविधान सभा के सदस्य पीजी देशमुख ने जताई थी। तब देशमुख ने कहा था, श्चूंकि इस व्यवस्था में गैर आरक्षित लोगों के अधिकारों की स्पष्ट व्याख्या नहीं है, लिहाजा भविष्य में उनको हाशिए पर डाल देने की आशंका है। अल्पसंख्यकों को विशेष सुरक्षा प्रदान करने में बहुमत की अनदेखी की जा रही है।य

पीजी देशमुख की इस आशंका को संविधान सभा में खारिज करने के लिए कई तर्क दिए गए थे। तब मोटे तौर पर संविधान सभा भी इस बिंदु पर एकमत हुई थी कि खुद समाज को ही गैर बराबरी खत्म करने के लिए आगे आना होगा। यही वजह थी कि संविधान सभा के एक सदस्य ठाकुर दास भार्गव ने राय दी थी कि आरक्षण का प्रावधान दस साल से ज्यादा के लिए नहीं किया जाना चाहिए। खुद अंबेडकर भी इसी राय के थे। उन्हें उम्मीद थी कि दस बरसों में आजाद भारत की सोच और सरकारी तंत्र के कार्य इतने तेज होंगे कि इस प्रावधान की जरूरत ही नहीं रहेगी। लेकिन राजनीतिक तंत्र की ओर से इस दिशा में वैसी तत्परता नहीं दिखी, जैसी कि होनी चाहिए। रही बात नौकरशाही की तो उसका तो मानस ही नहीं बन पाया। वैसे आज भी वह अहं ब्रह्मास्मि की ही सोच के साथ आगे बढ़ रही है। जब आजादी के इतने सालों में भी उसकी सोच में बदलाव नहीं आ पाया तो उस वक्त सोच कैसी रही होगी, इसका अंदाजा ही लगाया जा सकता है। पक्ष या विपक्ष के पचड़े में पड़े बिना देखें तो मौजूदा राजनीतिक तंत्र की सोच आरक्षण व्यवस्था को अनंत काल तक बनाए रखने की है। वैसे भी राजनीति आज जिस मुकाम पर पहुंच गई है, उसमें किसी भी राजनीतिक दल की हिम्मत नहीं है कि वह इस व्यवस्था को खत्म कर दे।

संविधान सभा के सदस्य मनमोहन दास और मुनिस्वामी की मांग थी कि आरक्षण व्यवस्था के लिए दस साल की अवधि की बाध्यता खत्म होनी चाहिए। उनका कहना था कि इसके लिए कोई अवधि होनी ही नहीं चाहिए। लेकिन दोनों सदस्यों की इस मांग को खुद डॉक्टर अंबेडकर ने ही खारिज कर दिया था। जबकि वे खुद आरक्षण व्यवस्था के सबसे बड़े हिमायती थे। आरक्षण व्यवस्था की हिमायत करते हुए उन्होंने संविधान सभा में मुसलमानों और ईसाइयों को तवज्जो दिए जाने का हवाला दिया था। उनका कहना था कि 1892 से मुसलमानों और 1920 के संविधान से ईसाइयों को सरकारी नौकरियों में विशेष अधिकार प्राप्त हैं। अंबेडकर ने अनुसूचित जातियों को आरक्षण देने के लिए तर्क दिया था कि चूंकि अनुसूचित जाति को लाभ 1935 के संविधान और व्यावहारिक रूप से 1937 में उसके लागू होने से मिला है, लिहाजा उन्हें लंबी अवधि के लिए आरक्षण मिलना चाहिए। लेकिन अंबेडकर भी खुद इस व्यवस्था को अनंत काल तक बनाए रखने के लिए तैयार नहीं थे।

बेशक अंबेडकर संविधान के हिमायती थे, लेकिन वे खुद भी मानते थे कि सवर्ण भी वंचित रहा है। आरक्षण की वकालत करते हुए उन्होंने संविधान सभा में जो कहा था, उस पर ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा था, श्डेढ़ सौ वर्ष तक देश में अंग्रेजी शासन–व्यवस्था मजबूती से कायम रही। इसमें प्रतिनिधित्व न मिलने के कारण भारतीय सवर्ण अपनी क्षमताओं का उपयोग नहीं कर पा रहे थे। ऐसे में भारत के दलित समाज की स्थिति का आसानी से अनुमान लगाया जा सकता है।य यानी वे भी मानते थे कि गैर आरक्षित समूहों की स्थिति भी बहुत अच्छी नहीं रही है।

मौजूदा राजनीति को अतीत की इन बहसों की ओर भी झांकना चाहिए। संविधान सभा के लोग कितने दृष्टि संपन्न थे, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जो–जो सवाल आज उठ रहे हैं, उनकी कल्पना उन्होंने पचहत्तर साल पहले ही कर ली थी। पीजी देशमुख जैसे लोगों की चिंताओं को समझते हुए भावी भारत की कल्पना करते हुए संविधान सभा में हृदयनाथ कुंजरू ने जो सुझाया था, वक्त आ गया है कि राजनीति उस पर अमल करे। तब कुंजरू ने कहा था, श्संविधान के लागू होने के दस साल बाद तक आरक्षण लागू करने के प्रावधान में बाधा नहीं होगी, लेकिन यह अनिश्चितकाल के लिए लागू नहीं रहना चाहिए। इसकी समय–समय पर जांच होनी चाहिए कि वास्तव में पिछड़े तबकों की हालत में बदलाव आ भी रहा है या नहीं? और राज्यों ने उन्हें वर्तमान दशा से ऊपर उठाने के लिए और योग्य बनाने के लिए, अन्य वर्गों की बराबरी पर लाने के लिए उचित कार्यवाही की है कि नहीं?च

मौजूदा स्थितियों के मद्देनजर भले ही चुप्पियां हों, लेकिन कुंजरू जैसे सवाल और सुझाव बहुत सारे दिमागों में हैं। खासकर नई पीढ़ी के प्रतिभावान लोग जब सरकारी नौकरियों में पिछड़ते हैं तो उनमें ऐसे ही सवाल उभरते हैं। तब उनका सवाल होता है कि आखिर वे क्यों समझौता करें? ये सवाल और आरक्षण की अनंतकालीन व्यवस्था के बीच यह तनातनी कहीं सामाजिक असंतुलन की वजह ना बने, इसकी ओर भी देखा जाना चाहिए। यहां याद रखना होगा कि खुद अंबेडकर ने ऐसा नहीं सोचा था। आरक्षण पर बहस के जवाब में उन्होंने जो कहा था, उसे ध्यान में रखना चाहिए। अंबेडकर ने कहा था, श्यदि हम उन लोगों की मांग को मान लेते, जिन्हें अब तक सरकारी नौकरियों में पूरी जगह नहीं दी गई तो इसका अर्थ यह होगा कि हम अवसर–समता के सिद्धांत की हत्या कर देंगे।

प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा

देवरिया । जिले में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। राजकीय इंटर कालेज परिसर में हाकी, खो–खो व बैडमिटन प्रतियोगिता में छात्रों ने प्रतिभा दिखाई। प्रधानाचार्य प्रदीप शर्मा ने कहा कि पढ़ाई के साथ खेलों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। खेल प्रतियोगिता में अभिजीत, कृष्णा सिंह, अनुज, प्रिस, नीतेश, अजीत, अमन, प्रीति कुशवाहा, अपराजिता, आंचल, रंजना ने हिस्सा लिया। कृषक इंटर कालेज बलटिकरा में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें अशोक इंटर कालेज बरपार, थापर इंटर कालेज बैतालपुर, कृषक इंटर कालेज के छात्रों ने हिस्सा लिया। विभिन्न खेलों में आदित्य मद्धेशिया, रीतेश सिंह, नीकेश यादव, अश्वनी पांडेय, अविनाश चौहान, प्रियांशु शर्मा, कमलनाथ प्रथम व बालिका वर्ग में मुस्कान पटेल, प्रियंका सिंह, निक्कू सिंह, चंदा पटेल प्रथम व शिव कुमार, वरिष्ठ सिंह, नीतेश यादव, आदित्य विश्वकर्मा, गौतम खरवार, सत्यम पटेल द्वितीय स्थान पर रहे। भिगारी बाजार संवाददाता के अनुसार, युवक मंगल दल व महिला मंगल दल केहुनियां की तरफ से 100 मीटर दौड़ का आयोजन किया गया। हरदेव, सच्चिदानंद मिश्र, अध्यक्ष बृजेश गुप्ता,मनीष पांडेय आदि मौजूद रहे।

खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

देवरिया। पूर्व माध्यमिक विद्यालयों के बच्चों ने 100 मीटर, 200 मीटर दौड़ व लंबी कूद में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। सदर विकास खंड के बैदा बांसपार व सुरौली में आयोजित प्रतियोगिता का खंड शिक्षा अधिकारी विजय पाल नारायण तिवारी ने फीता काटकर शुभारंभ किया। इस दौरान जिला व्यायाम शिक्षक संजय सिंह, संजय तिवारी, नरेंद्र मोहन सिंह मौजूद रहे। दौड़ में निगम, नीरज, मनीषा, अंकित, हिमांशु, आदित्य विजेता रहे। पथरदेवा संवाददाता के अनुसार, पथरदेवा के परिषदीय विद्यालयों में खेलकूद प्रतियोगिता का बीडीओ आलोक सिंह व बीईओ गोपाल मिश्र ने फीता काटकर उद्घाटन किया। उच्च प्राथमिक विद्यालय धुसवां, शाहपुर शुक्ल, पथरदेवा, बघड़ा महुआरी, बघौचघाट में 11 से 14 वर्ष आयु वर्ग में दौड़, लंबी कूद की प्रतियोगिता हुई। 100 मीटर दौड़ में धुसवां के रोशन व शब्बू ने बाजी मारी। 200 मीटर में नीतेश अव्वल रहे। लंबीकूद में सुंदरी व आकाश विजेता रहे। शाहपुर में स्वाति, मिलन, प्रियंका यादव करन ने पहला स्थान प्राप्त किया।

बालक वर्ग में सोनू व बालिका में नीलू रही प्रथम

रामपुर कारखाना। अशोक इंटर कालेज के खेल मैदान में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बालक वर्ग सीनियर 100 मीटर दौड़ में अशोक इंटर कालेज के सोनू कुमार प्रथम, जनता इंटर कालेज के ऋषिकेश द्वितीय, कृषक इंटर कालेज के पवन सिंह तृतीय, बालक जूनियर वर्ग में अशोक इंटर कालेज के नितिश कुमार प्रथम व गोविद पासवान द्वितीय, जनता इंटर कालेज के अरुण तृतीय स्थान, बालक सब जूनियर वर्ग में जनता इंटर कालेज के अजय प्रथम, कृषक इंटर कालेज के सन्नी कुमार यादव द्वितीय, अशोक इंटर कालेज के श्रीराम यादव तृतीय स्थान पर रहे। बालिका सीनियर वर्ग में अशोक इंटर कालेज की नीलू कुमारी प्रथम व ज्योति प्रसाद द्वितीय, कृषक इंटर कालेज की अंशिका चौरसिया तृतीय स्थान पर रही। बालिका जूनियर वर्ग में अशोक इंटर कालेज की सकीना खातून प्रथम, नाजरीन खातून द्वितीय व अंजली चौहान तृतीय स्थान पर रही। बालिका सब जूनियर वर्ग में दीक्षा भारती प्रथम, नाजरीन खातून द्वितीय, निधि चौहान तृतीय स्थान पर रहीं। इस दौरान क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी निखिल आनंद, प्रधानाचार्य देवेंद्र नाथ तिवारी, डा. सरोज कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

बालिकाओं ने खेल में दिखाया दमखम

रुद्रपुर। सतासी इंटर कालेज के प्रांगण के दौड़ व कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 100 मीटर दौड़ बालिका सीनियर वर्ग में नेहा प्रथम, सुषमा द्वितीय व अनन्या तृतीय, 200 मीटर दौड़ में महिमा मौर्य प्रथम, नेहा यादव द्वितीय व सुषमा तृतीय स्थान पर रहीं। 100 मीटर दौड़ बालक सीनियर वर्ग में विकास पासवान प्रथम, अमित यादव द्वितीय व संदीप तृतीय स्थान पर रहे। 200 मीटर दौड़ में विकास प्रथम, संदीप द्वितीय व मोनू यादव तृतीय स्थान पर रहे। 100 मीटर दौड़ बालक जूनियर वर्ग में साहिल गुप्ता प्रथम, शिवम यादव द्वितीय व शिवम तृतीय स्थान पर रहे।कबड्डी बालिका वर्ग में नेहा व बालक वर्ग में शुभम यादव की टीम विजयी रही। प्रधानाचार्य बीएन कुशवाहा, प्रमोद यादव, प्रमोद पांडेय, मनोज सिंह, विनय गौतम आदि मौजूद रहे।

विषम परिस्थितियों में हुए विकास कार्य : सूर्यप्रताप

रामपुर कारखाना, देवरिया । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के जरिए राष्ट्र को संबोधित किया। उन्होंने हाकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को याद किया। देसही देवरिया के ग्राम पंचायत हरियापार में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही की मौजूदगी में भाजपा कार्यकर्ताओं व ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि दो सालों से कोरोना जैसी वैश्विक महामारी के बावजूद विषम परिस्थितियों में देश व प्रदेश में निरंतर विकास के कार्य हुए। यह मोदी व योगी सरकार की देन है। कोरोनाकाल में लोगों को निश्शुल्क अनाज, मजदूरों को कार्य व भत्ता देने का कार्य किया गया। समाज में चिकित्सकों ने जिस धैर्य व दृढ़ता से लोगों का इलाज किया, वह बेमिसाल है । यही कारण है कि अन्य देशों की तुलना में यहां कोरोना से मरने वालों की मृत्यु दर सबसे कम रही। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान के तहत लोगों को घर में बनाए गए शौचालय का उपयोग करना चाहिए। खुले में शौच से बचें। किसान गोबर की खाद से वर्मी कंपोस्ट बनाकर खेतों की उर्वरा शक्ति बढ़ाएं। इसका उपयोग समय पर करने से फसलों का उत्पादन बढ़ जाएगा। कार्यक्रम को प्रवासी संपर्क प्रकोष्ठ के सह संयोजक डा. जितेंद्र प्रताप राव, पूर्णमासी चौहान, ब्रह्मादेव शर्मा, विनय राव ने संबोधित किया। अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष विजय श्रीवास्तव ने की। इस दौरान मंडल महामंत्री वीरेंद्र यादव, ग्राम प्रधान विनय प्रजापति, संजय ठाकुर, संजय कुशवाहा, सुनील गुप्ता, मुन्नर शर्मा, दिनेश गोंड, विनोद यादव आदि मौजूद रहे।

नौकाटोला के छह घरों में घुसा सरयू का पानी

बरहज। सरयू और राप्ती नदी तबाही की ओर बढ़ रही है। बाढ़ की स्थिति गंभीर होती जा रही है। सरयू नदी खतरे के निशान से 1.80 मीटर ऊपर बह रही है। जलस्तर बढ़ने से कपरवार का नौकाटोला घिर गया है। छह घरों में पानी घुस गया है। लालबहादुर यादव, रामाज्ञा यादव, लालू यादव, सुखराम प्रसाद का परिवार दूसरे के घर शरण लिया है। विशुनपुर देवार के जरलहवा टोला से दरगाह और किशुन टोला से सूरजपुर जाने वाला मार्ग मार्ग डूब गया है। बाढ़ का पानी मुख्य बंधे से टकरा रहा है। सरयू नदी खतरे के निशान 66.50 मीटर से ऊपर 67.80 मीटर पर बह रही है। नदी का जलस्तर खतरे के निशान से 1. 80 मीटर ऊपर है। जलस्तर में 24 घंटे में पांच सेंटीमीटर की वृद्धि हुई है। नगर के पटेल नगर, रगरगंज, केवटलिया, तिवारीपुर के तटीय हिस्सों में बाढ़ का पानी फैल रहा है। जिससे आबादी प्रभावित है। राप्ती नदी का जलस्तर बढ़ रहा है। इससे कपरवार, विनोबापुरी के खेतों में पानी पुलिया के रास्ते पहुंच गया है। विशुनपुर देवार के ओमप्रकाश यादव, गोविद ने बताया कि पानी बढ़ने से रास्ते डूब गए हैं। जिससे आवागमन में दिक्कतें हो रही है। जरलहवा टोला से रामनरेश टोला, हरिजन बस्ती, मुख्य मार्ग तक आने जाने के लिए छह नाव की आवश्यकता है। बाढ़ से घिरे क्षेत्रों में पशुपालकों के लिए चारे की समस्या है। तटवर्ती गांव के लोगों का कहना है कि जलस्तर में वृद्धि का क्रम जारी रहा तो मुसीबत और बढ़ जाएगी। लोग बाढ़ को लेकर भयभीत हैं। सरयू और राप्ती नदी का जलस्तर बढ़ रहा है। बाढ़ चौकियों पर तैनात कर्मियों के माध्यम से हर स्थिति पर नजर रखी जा रही है। जरूरत के अनुसार नाव लगाई गई हैं। स्थानीय गोताखोर, नाविकों को सतर्क कर दिया गया है। पीएसी का बाढ़ राहत दल पहले से ही है। उपजिलाधिकारी, बरहज राप्ती और गोर्रा के उफान से दो लाख लोगों की उड़ी नींद रुद्रपुर रू दोआबा में बढ़ते जलस्तर से दो लाख लोगों की नींद फिर उड़ गई है। नदियों का उफान देख लोग रातजगा कर रहे हैं। गोर्रा के गुर्राने से दोआबा के लोग सहम गए हैं। राप्ती भेड़ी, नीबा, नगवां खास गांव के समीप कटान कर रही है। वहीं बेलवा जमींदारी बांध के किनारे पहुंच रहा हैं।

सुबह नीबा गांव के समीप शाही मांद से पानी का रिसाव शुरू हो गया, जिससे ग्रामीण भयभीत हो गए। आनन–फानन विभाग ने मौके पर पहुंचकर उसको ठीक कराया। नरायनपुर औराई गांव में लोगों के घरों तक पानी पहुंच गया है। बहोरादलपतपुर गांव के घरों की तरफ गोर्रा लगातार कटान कर रही है। राप्ती का कहर गायघाट की तरफ बढ़ता जा रहा है। भेड़ी गांव के दलित बस्ती की तरफ बोल्डर पिचिग धंस रही है।

ठोकर नदी की धारा में विलीन हो चुके हैं। गोर्रा पिड़रा, रतनपुर, ईश्वरपुरा गांव के कृषि योग्य भूमि को लगातार काट रही है। राप्ती के जलस्तर का सर्वाधिक दबाव बेलवा जमींदारी बांध की तरफ बढ़ रहा है अगर दो फीट पानी और बढ़ गया तो बंधा टूट सकता है।

पेड़ की डाल काटने के विवाद में सेवानिवृत्त फौजी की हत्या

पकड़ी बाजार, देवरिया । मदनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बारीडीहा में सुबह आम के पेड़ की डाल काटने के विवाद में लाठी व ईंट–पत्थर से हमला कर सेवानिवृत्त फौजी की हत्या कर दी गई। घटना को लेकर गांव में तनाव है। घटनास्थल पर एएसपी, सीओ पहुंचे और घटना के बारे में जानकारी ली। एएसपी ने थानाध्यक्ष को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। गांव के जीउतबंधन दुबे के घर जाने वाले रास्ते पर गुलाब दुबे का आम का पेड़ है। आम की डाल काटने को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। डाल नीचे होने से जीउत बंधन के घर जाने का रास्ता प्रभावित हो रहा था। करीब 10 बजे वह डाल काटने लगे। इसका गुलाब दुबे के स्वजन ने विरोध किया। इसको लेकर मामला बढ़ गया और दोनों पक्षों के बीच मारपीट हो गई। इस दौरान लाठी और ईंट–पत्थर चलने लगे। जिसमें जीउत बंधन दुबे को गंभीर चोटें आईं। वह जमीन पर गिर गए। इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में उन्होंने दम तोड़ दिया। हत्या की सूचना पर मदनपुर थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला। प्रशासन ने कटवाया पेड़, तब उठा शवः डाल कटवाने को लेकर जीउत बंधन ने कई बार अधिकारियों को प्रार्थना पत्र दिया, लेकिन इसे गंभीरता से नहीं लिया गया। इसके लिए कई बार थाने में पंचायत भी हुई, लेकिन विवाद को सुलझाने की बजाय उलझाकर छोड़ दिया गया। घटना के बाद जीउत बंधन का शव दरवाजे पर रखकर पेड़ काटने की मांग स्वजन ने किया। घटनास्थल पर पहुंचे तहसीलदार अभय राज व एएसपी राजेश सोनकर ने दोनों आम के पेड़ कटवाए। उसके बाद मौके से शव ले जाया गया। ग्रामीणों का कहना है कि अगर प्रशासन व पुलिस के अधिकारी पहले ही समस्या का समाधान करा दिए होते तो शायद जीउतबंधन की जान नहीं गई होती। इतनी बड़ी घटना नहीं हुई होती। गांव में दो थानों की पुलिस तैनात घटना के बाद गांव में मदनपुर व रुद्रपुर थाने की पुलिस को तैनात किया गया है। गांव में लोगों के बीच दहशत है। लोग किसी अनहोनी की आशंका से डरे व सहमे हैं। जीउतबंधन व्यवहार कुशल व मिलनसार व्यक्ति थे। उनके कार्य व्यवहार की चर्चा पूरे दिन गांव में होती रही। परिवार में छाया मातमः जीउत बंधन सेना में लांस नायक के पद से 20 साल पूर्व सेवानिवृत्त हुए थे। उनकी पत्नी का काफी पहले निधन हो चुका है। उनका बेटा भी सेना में है। वह पत्नी के साथ इंदौर में रहता है। जीउत बंधन घर पर चार भाइयों के साथ रहते थे। घटना की जानकारी उनके पुत्र को दी गई। वह इंदौर से घर के लिए चल दिए। उनके परिवार में मातम छा गया है। युवती समेत छह के खिलाफ गैरइरादतन हत्या का मुकदमाः मदनपुर, देवरिया। ग्राम बारीडीहा में सेवानिवृत्त फौजी जीउतबंधन दुबे उम्र 70 वर्ष पुत्र रामअधार दुबे की हत्या मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया। मृतक के भाई राममिलन दुबे की तहरीर पर सदानंद उर्फ गुलाब, उसके पुत्र प्रिस उर्फ कान्हा, प्रीति, गंगेश्वर दुबे व दो अज्ञात के खिलाफ गैरइरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में लिया है। थानाध्यक्ष पीडी सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

कटान कर रहा महाव नाला

परसामलिक। महाव नाले का पानी दोगहरा – अमहवा गांव के बीच बने पुल के समीप बांध को खतरनाक ढंग से काट रहा है। जिससे पुल से गुजरने वाले लोग अनहोनी की आशंका से सहमे हुए हैं। वहीं इसके समीप से होकर बहने वाले सोनिया नाले का पानी ओवर फ्लो कर बरगदवा, हरपुर, देवघट्टी, हरखपुरा, सेमरहना, पड़हरवा, सीहाभार नेबुअहवा, बड़हरा गांव के सिवान को जलमग्न कर दिया है ।गांवों के संपर्क मार्गों पर बाढ़ का पानी फैलने से आवागमन प्रभावित हैं। बघेला नाले के पानी से रेहरा, बेलभार, मनिकौरा, विषखोप, परसा, भरटोलिया, श्रीरामपुर, मोतीपुर कोमर, गंगवलिया, गंगापुर, करौता, चुड़िहारी, मनिकापुर, शिवतरी, परसा, शंकरपुर, सेखुआनी, बरमथान, नौडिहवा, महरी, घोड़हवा, लुठहवा, तरैनी, महुअवा, सवनहवा, पिपरहिया, घोड़हिया, जहरी, सगरहवा आदि गांव पूरी तरह से बाढ़ से अभी भी घिरे हुए हैं।

बाढ़ के पानी से घिरा चकदह गांव

महराजगंज। रोहिन नदी व बघेला नाले की बाढ़ से चकदह गांव सहित इसके सभी 22 टोले पूरी तरह से घिर गए हैं। चकदह गांव से मरचहवा टोले पर जाने वाली सड़क पर कटान से आवागमन प्रभावित हैं। बेलहिया मरचहवा, घटवा, जवहवा, घरोही टोले के लोग घरों में बाढ़ का पानी फैलने से काफी परेशान हैं। घरोही टोले के बहुत से परिवार घरों में पानी घुसने से छत पर शरण लेने को मजबूर हैं। बाढ़ से घिरे लोगों की मदद के लिए प्रशासन की तरफ से पीएसी व बोट का इंतेजाम किया गया है। हियुवा जिलाध्यक्ष नरसिंह पांडेय ने बोट में पीएससी के साथ बाढ़ क्षेत्रों का दौरा किया।

गांवों में घुसा बाढ़ का पानी, ऊंचे स्थानों पर पहुंचे लोग

महराजगंज। नेपाल की पहाड़ियों पर हो रही लगातार बरसात से जिले की गंडक, रोहिन, चंदन, प्यास नदी और महाव नाले में आई बाढ़ लगातार विकराल रूप लेती जा रही है। दो दिन पहले खतरे का निशान पार कर चुकी रोहिन, चंदन और प्यास में लगातार पानी बढ़ रहा है। गंडक नदी अपने खतरे के निशान से मात्र आठ फीट नीचे बह रही है। निचलौल और नौतनवा क्षेत्र में कई गांवों के लोग पलायन या सुरक्षित स्थान की ओर जाने लगे हैं। सबसे खराब स्थिति महाव व चंदन नदी के किनारे बसे गांव की है। निचलौल गेड़हवा और बलुआ के 150 परिवारों ने बाढ़ शरणालय में शरण ली है। एसडीएम ने मौके पर पहुंचकर बाढ़ प्रभावित लोगों को सूखा राशन वितरित कराया और बाढ़ पीड़ितों के लिए नाव की व्यवस्था की है। निचलौल संवाददाता के अनुसार गंडक, चंदन और झरही अपने खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। गंडक नदी के जलस्तर में तेजी से बढ़ते जलस्तर से तटवर्ती क्षेत्रों के ग्रामीणों की चिता बढ़ने लगी है। गंडक नदी का जलस्तर 358 फीट तक पहुंच गया है। क्षेत्र के तमाम गांवों के संपर्क मार्ग तथा मुख्य मार्ग भी जलमग्न हो चुकी है। गेड़हवा गांव के बलुआ और बहीरा टोला के करीब डेढ़ सौ परिवार बाढ़ की कहर से जूझ रहे हैं। जिसके चलते लोग ऊंचे जगह पर बने बाढ़ शरणालय में शरण ले रखी है। सोहगीबरवा में पानी घुस जाने से शिकारपुर और भोथहा के ग्रामीणों की भी चिता बढ़ गई है। चंदन नदी के टूटे बकुलडीहा पुल के पास ग्रामीणों के आवागमन को लेकर और भरवलिया गांव में आवागमन को लेकर प्रशासन ने कुल चार नावों की व्यवस्था की है। कोल्हुई संवाददाता के अनुसार डूडी नदी और नेपाली डांडा नदी के उफान के साथ बगुलवा और मछरियहवा नाला उफान पर है। जिससे चरका, करैला, करैलिया,अमवा मोगलहा, महुआरी, महादेवा, एकसड़वा, जोगिया बारी, पिपरा, परसौनी समेत दो दर्जन गांव के लोगों की खेती बाढ़ की भेंट चढ़ गई है। परसामलिक संवाददाता के अनुसार नौतनवा तहसील क्षेत्र में भारी बारिश व उफनाए नदी नालों की बाढ़ से गांव के सिवान जलमग्न हैं। महाव नाला, सोनिया नाला, बघेला नाला सहित रोहिन नदी का पानी रिहायशी बस्तियों में पहुंचकर तबाही मचा रहा है। महाव नाले का पानी झिगटी, खैरहवा दुबे, अमहवा, विशुनपुरा गांव के सामने टूटे अपने चारों कटान स्थलों के रास्ते बाढ़ का पानी उड़ेल रहा है। नाले का पानी मधवलियां रेंज के जंगल के समीप बसे गनेशपुर ब, खजहिया, सगरहवा, जहरी गांवों में फैलने से लोग काफी परेशान हैं। विशुनपुरा गांव निवासी जय प्रकाश तिवारी, प्रमोद चौधरी, अगस्त मुनि चौधरी, प्रसाद साहनी आदि का कहना है कि प्रशासन द्वारा समय रहते महाव समस्या के समाधान पर ध्यान नहीं दिया गया। जिसका नतीजा तटवर्ती गांवों के लोगों को भुगतना पड़ रहा है।

मेधावी मूक बधिर छात्रों को दी गई अरुण : रागिनी छात्रवृत्ति

प्रयागराज। रोटरी इलाहाबाद मिडटाउन के बैनर तले होटल यात्रिक मे मूक बधिर विद्यालय के 9 छात्रों को 2500 प्रत्येक की छात्रवृत्ति से नवाजा गया। वहीं अभिषेक सिंह और एजी यशवंत माहेश्वरी 5 छात्रों को 1000–1000 देने के लिए आगे आए। कार्यक्रम की शुरुआत मनु सक्सेना द्वारा अध्यक्ष और सचिव को कॉलर पहनाने और राष्ट्रगान से हुई। अध्यक्ष ने क्लब को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रोफेसर मंजुला जायसवाल का स्वागत किया एवं विशिष्ट अतिथि केएन मिश्रा मुख्य अतिथि ने विचार साझा करते हुए अपनी बातें रखीं । मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई इसके बाद क्लब सचिव राधा सक्सेना ने क्लब की घोषणाएं कीं कार्यक्रम के अंत में स्वाति खरबंदा ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

भारतीय रेल में पहली बार लगे तृतीय श्रेणी वातानुकूलित इकॉनमी कोच

प्रयागराज। गाड़ी सं. 02403ध्02404 प्रयागराज–जयपुर (दैनिक) विशेष एक्सप्रेस में स्थाई रूप से लगाए गए हैं। तृतीय श्रेणी वातानुकूलित इकॉनमी के दो कोच के लिए आरक्षण प्रारम्भ हो गया है। मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी डॉ शिवम शर्मा ने बताया कि इस कोच का प्रयागराज से जयपुर का किराया मात्र 1085 रु. है। जबकि, सामान्य तृतीय श्रेणी वातानुकूलित कोच का किराया 1175 रु. होता है। इसी प्रकार प्रयागराज से आगरा का किराया 740 रु (सामान्य तृतीय श्रेणी वातानुकूलित कोच का किराया 800 रु) है जबकि, प्रयागराज से मथुरा का किराया रु 835 (सामान्य तृतीय श्रेणी वातानुकूलित कोच का किराया रु 905) है। उन्होंने बताया कि, ये कोच भारतीय रेल में किसी भी गाड़ी में प्रथम बार प्रयुक्त हो रहे हैं। इन कोचों में 72 के स्थान पर 83 सीटें हैं। इन कोचों में यात्रियों को 11 बर्थ अतिरिक्त मिलेगी। कोचों को दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया। इनमें मोबाइल फोन व मैग्जीन होल्डर्स, फायर सेफ्टी की आधुनिक व्यवस्था की गई है। इसमें वैयक्तिकृत रीडिंग लाइट, एसी वेंट, यूएसबी पॉइंट, मोबाइल चार्जिंग पॉइंट, ऊपरी बर्थ पर चढ़ने के लिए बेहतर सीढ़ी और स्नैक टेबल कुछ प्रमुख विशेषताएं हैं। इस कोच को प्रयागराज से 06 सितम्बर एवं जयपुर से 07 सितम्बर में लगाया जाएगा।

समाजवादी प्रबुद्ध प्रकोष्ठ की महानगर कमेटी की हुई घोषणा

प्रयागराज, (आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के नगर कार्यालय चौक मे महानगर अध्यक्ष सै० इफ्तेखार हुसैन की अध्यक्षता मे महानगर कार्यकारिणी की बैठक कर 2022 के विधान सभा चुनाव को लेकर चर्चा की गई वहीं राष्ट्रीय महासचिव इन्द्रजीत सरोज के प्रदेश भ्रमण कार्यक्रम मे 11 सितम्बर को प्रयागराज आगमन पर भव्य स्वागत करने को लेकर कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया गया। महासचिव रवीन्द्र यादव के संचालन मे हुई बैठक मे सितम्बर के आखरी दिनो मे राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरनमय नन्दा, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष युवजन सभा विकास यादव तथा अक्टूबर माह मे प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल द्वारा किसान पटेल यात्रा के संदर्भ मे चर्चा की गई। पूर्व विधायक हाजी परवेज अहमद, शहर पश्चिमी की प्रत्याशी रही सपा नेत्रि डॉ ऋचा सिंह समेत अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी अपने विचार रखे।बैठक मे समाजवादी प्रबुद्ध प्रकोष्ठ के महानगर अध्यक्ष शिव कुमार त्रिपाठी द्वारा महानगर के अन्य सदस्यों की घोषणा की गई।अनुराग मिश्रा, आलोक उपाध्याय व विकास शुक्ला को महानगर उपाध्यक्ष प्रबुद्ध प्रकोष्ठ बनाया गया तो अटल पाण्डेय को महानगर महासचिव का दायित्व सौंपा गया। करुणेन्द्र मिश्रा को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई।विकास शुक्ला को महानगर सचिव नामित किया गया। पंकज शुक्ला (प्रदीप) शहर उत्तरी, मोहित कुमार शुक्ला शहर पश्चिमी, हाटकेश्वर नाथ मिश्रा शहर दक्षिणी विधान सभा के अध्यक्ष नामित किए गए।सभी नवनियुक्त पदाधिकारीयों को फूल माला पहना कर मनोनयन पत्र सौंपा गया। प्रबुद्ध प्रकोष्ठ के महानगर अध्यक्ष शिव कुमार त्रिपाठी ने संगठन मे और सदस्यों को जोड़ कर अन्य पदाधिकारीयों की भी घोषणा जल्द करने की बात कही।वही यूथ विंग के तीन नवनियुक्त पदाधिकारी संदीप सिंह सत्या युवजन सभा,सौरभ यादव रामा छात्र सभा व राजेश शर्मा लोहिया वाहिनी के महानगर अध्यक्ष नामित होने के उपरान्त प्रथम नगर कार्यालय आगमन पर फूल माला पहना कर स्वागत किया गया। बैठक मे सभी नवनियुक्त पदाधिकारीयों को मिष्ठान खिला कर वरिष्ठ नेताओं ने बधाई देते हुए मिशन 2022 मे समाजवादी झण्डा बुलन्द करते हुए अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने को प्रबुद्ध प्रकोष्ठ से तन मन धन से लग जाने का आह्वान किया। बैठक मे इफ्तेखार हुसैन, रवीन्द्र यादव, हाजी परवेज अहमद, डॉ ऋचा सिंह, इसरार अन्जुम, विजय वैश्य, महेन्द्र निषाद, दीनेश यादव, मो०गौस, अभिमन्यु पटेल, ओ पी यादव, विक्रम पटेल, मो० मुजीब, जी एस यादव, सै० मो० अस्करी, शाहिद प्रधान, गुलाब यादव (पिन्टू), प्रमोद यादव, मशहद अली खाँ, भोला पाल, मो०अजहर, पप्पू पासी, मो० हामिद, रेहान अहमद, अनुप यादव, वकार अहमद,सुषमा यादव,रेनू गौतम, राधा यादव, सारिका यादव, एस पी श्रीवास्तव, आशीष पाल, गुलरेज अहमद, इरशाद अहमद, शिव ओम सिंह पटेल, उत्कर्ष द्ववेदी, अरविन्द कुमार चौधरी समेत सैकड़ो सपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इविवि में 'दलित विमर्श और साहित्य' पर विमर्श व्याख्यान

प्रयागराज। हिन्दी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित व्याख्यानमाला के प्रथम सत्र में "दलित विमर्श और साहित्य" विषय पर बोलते हुए दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार के हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर सुरेश चंद्र ने कहा कि आज दलित सर्वाधिक चर्चित शब्द है और यह पिछले 50 वर्षों से चर्चा में है। इसे मराठी का शब्द कहकर इसकी व्याख्या की जाती है परंतु यह मध्यकालीन कविता में मौजूद शब्द है और उत्तर भारत से अन्य जगहों पर पहुंचा है।

उन्होंने कहा कि रामचरितमानस और कवितावली में दलित शब्द का प्रयोग अन्यान्य अर्थों में स्वयं तुलसीदास ने किया है। रामचरितमानस में "दलित दसन मुख रुधिर प्रचारू" कहकर और कवितावली में "अंग अंग दलित ललित फूले" प्रयोग दृष्टव्य है। उन्होंने स्वानुभूति और सहानुभूति का प्रश्न उठाते हुए कहा कि साहित्य में खेमेबाजी को लेकर सबको चौकन्ना रहना होगा। स्वामी श्रद्धानंद, एल.आर शिंदे और स्वामी अच्युतानंद का संदर्भ उठाते हुए उन्होंने दलितों के निर्माण में बाबू जगजीवन राम की महत्वपूर्ण भूमिका की तरफ संकेत किया। कहा कि आज असली दलित और नकली दलित का भी विमर्श चल पड़ा है। उन्होंने संत रैदास से शुरू कर आधुनिक समय तक दलितों की स्थिति और उनकी निर्मिति पर प्रकाश डाला। हीन भावना से मुक्त और रचनात्मक संघर्ष चेतना से युक्त होकर ही दलित विमर्श के सृजनात्मक निष्कर्षों को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने संपन्नता और बड़े पदों को प्राप्त दलित बंधुओं द्वारा स्त्री समाज की उपेक्षा पर चिंता व्यक्त की।

पी.एम. आवास योजना (शहरी) के 02 लाख 853 लाभार्थियों को मिली किश्तों की सौगात

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच । हाउसिंग फार आल लक्ष्य की ओर मजबूत कदम के तहत उत्तर प्रदेश के मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा वर्चुअल माध्यम से प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के किश्तों का आनलाइन हस्तान्तरण तथा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) व पी.एम. स्वानिधि योजना के लाभार्थियों से संवाद कार्यक्रम के अवसर पर मा. मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अन्तर्गत 02 लाख 853 लाभार्थियों के खातों में आवास निर्माण की प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय किश्त हेतु कुल रू. 1341.17 करोड़ धनराशि का आनलाइन हस्तान्तरण किया गया। जिसमें जनपद अन्तर्गत नगर पालिका परिषद बहराइच एवं नानपारा, नगर पंचायत रिसिया, जरवल एवं पयागपुर के 1215 लाभार्थियों को आवास निर्माण की प्रथम किश्त प्रति लाभार्थी रू. 50,000 की दर से, 630 लाभार्थियों को द्वितीय किश्त प्रति लाभार्थी रू. 1,50,000 की दर से तथा 847 लाभार्थियों को तृतीय किश्त प्रति लाभार्थी रू. 50,000 की दर से कुल 2692 लाभार्थियों के खातों में रू. 19 करोड़ 76 लाख धनराशि का आनलाइन हस्तान्तरण किया गया है।प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के लाभार्थियों के खातों में धनराशि के आनलाइन हस्तान्तरण एवं प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) व पी.एम. स्वानिधि योजना के लाभार्थियों से संवाद कार्यक्रम के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सांसद बहराइच अक्षयवर लाल गोंड, सदर विधायक श्रीमती अनुपमा जायसवाल के प्रतिनिधि शिवम जायसवाल, जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र, अपर जिलाधिकारी जयचन्द्र पाण्डेय, अधि.अधि. नगर पालिका परिषद बहराइच दुर्गेश्वर त्रिपाठी, परियोजना अधिकारी डूडा संजय कुमार सिंह व अन्य अधिकारी, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) व पी.एम. स्वानिधि योजना के लाभार्थी सहित सम्बन्धित लोग मौजूद रहे।कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सांसद बहराइच अक्षयवर लाल गोंड द्वारा सदर विधायक श्रीमती अनुपमा जायसवाल के प्रतिनिधि शिवम जायसवाल, जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र व अन्य अधिकारियों के साथ नगर पालिका परिषद बहराइच के पूर्ण आवासों के 10 लाभार्थियों को आवास की चाभी तथा 50 को आवास स्वीकृति प्रमाण–पत्र का वितरण किया गया।उल्लेखनीय है कि इस अवसर पर नगर पालिका परिषद नानपारा, नगर पंचायत रिसिया, जरवल एवं पयागपुर में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया। नगर पंचायत पयागपुर में विधायक पयागपुर सुभाष त्रिपाठी द्वारा 50, नगर पालिका परिषद नानपारा, नगर पंचायत रिसिया व जरवल में आयोजित कार्यक्रम में सम्बन्धित निकायों द्वारा 21–21 लाभार्थियों को स्वीकृति प्रमाण–पत्र का वितरण किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र ने बताया कि नगरीय क्षेत्रों में शामिल किये गये ग्रामीण क्षेत्र के पात्र लोगों को भी शीघ्र ही प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) योजना से आच्छादित किया जायेगा।लाभार्थी संवाद कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश के मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा सभी लोगों को जन्माष्टमी की बधाई देते हुए जनपद आगरा, वाराणसी, मुजफ्फनगर, ललितपुर, भदोही, मुरादाबाद, प्रयागराज, झांसी, मिर्जापुर व बाराबंकी जनपद के प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) व पी.एम. स्वानिधि योजना के लाभार्थियों से संवाद स्थापित किया गया।

स्व० रामचन्द्र चौरसिया की मनाई गई प्रथम पुण्यतिथि

स्कूलों की स्थापना कर, समाज के लिए किया सराहनीय कार्य- शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर।जनपद के मिठवल बाजार राममिलन चौरसिया इण्टर कालेज के संस्थापक व समाजवादी पार्टी के पूर्व प्रदेश सचिव रहे स्व० रामचन्द्र चौरसिया की प्रथम पुण्यतिथि मनाई गई। जिसमें पहुँचे लोगों ने उनके प्रति श्रद्धासुमन अर्पित कर अपने विचार प्रकट किए।बतौर मुख्य अतिथि शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने स्व० रामचंद्र चौरसिया के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि न सिर्फ सिद्धार्थनगर अपितु पूरे प्रदेश में स्व० चौरसिया जी को सब जानते व पहचानते थे। इन्होंने इस पिछड़े जिले में शिशु से लेकर इण्टरमीडिएट तक के स्कूल की स्थापना करके समाज के लिए बहुत ही प्रसंसनीय कार्य किया है। स्व० रामचन्द्र चौरसिया जी का डिग्री कालेज और पीजी कालेज उनके पुत्र जिला पंचायत सदस्य दिलीप रामचंद्र चौरसिया जरूर पूरा करेंगे और हम सब हर स्तर पर आपका सहयोग करेंगे।सपा जिलाध्यक्ष लालजी यादव ने कहा कि जब रामचन्द्र चौरसिया अपनी टीम के साथ समाजवादी पार्टी में शामिल हुये तो उनके अथक प्रयासों से मैं पहली बार बांसी से विधायक बना। सभा को संबोधित करते हुए सपा नेता रामकुमार उर्फ चिनकू यादव भावुक हो उठे, उन्होंने कहा कि स्व० रामचंद्र चौरसिया अपने आप मे एक इतिहास है उनके चले जाने से हम सब अनाथ हो गए। हम लोगों सर छत गायब हो गया।कपिलवस्तु विधानसभा के पूर्व विधायक विजय पासवान, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष नौगढ़ एवं शोहरतगढ़ विधानसभा प्रत्याशी जमील सिद्दीकी ने परिजनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जब कभी भी हमारी जरूरत पड़ेगी, बड़े भाई के रूप मैं तैयार रहूंगा।सभा को संबोधित करते हुए चौरसिया समाज के जिला महामंत्री बैजनाथ चौरसिया ने कहा कि स्व० रामचंद्र चौरसिया ने चौरसिया समाज को पूरे जनपद में एक अलग पहचान बनाई साथ ही उन्होंने पूरे चौरसिया समाज को संगठित करने का काम किया। कार्यक्रम के अंत मे दिलीप रामचंद्र चौरसिया ने कार्यक्रम में आये समस्त अतिथियों का आभार व्यक्त किया। साथ कालेज के प्रबंधक हरिश्चंद्र चौरसिया ने भी सबका आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन समाजवादी पार्टी महासचिव (विधानसभा डुमरियागंज) ने किया। इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष बासी इद्रीश पटवारी, रघुनन्दन पांडेय, बलराम चौरसिया, सत्यनारायण यादव, मोनू दूबे, तौलेश्वर निषाद, बेचई यादव, जिला पंचायत सदस्य रामसुरेश चौरसिया, सपा जिलाध्यक्ष (पिछड़ा वर्ग) शैलेन्द्र शर्मा, शालिनी त्रिपाठी, संतकबीर जिलाध्यक्ष सिद्धनाथ चौरसिया, सिद्धार्थनगर जिलाध्यक्ष हरीश चौरसिया, हरिशंकर चौरसिया, विधिक सलाहकार अजय चौरसिया, प्रदेश महामंत्री अधिवक्ता मनोज चौरसिया, संरक्षक श्रीनिवास चौरसिया, संतराम चौरसिया, प्रेमचंद चौरसिया आदि मौजूद रहे।

डीएम और एसपी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

नौतनवा। चकदह पहुंचे डीएम और एसपी, बाढ़ क्षेत्रों का लिया जायजा, सरकारी सुविधाएं शून्य जिम्मेदार जनप्रतिनिधि बाढ़ पीड़ितों को पिला रहे हैं आश्वासनों का घूंट,हियुवा जिला अध्यक्ष ने बाढ पीड़ितों को पहुंचाया राहत सामग्री। नौतनवा विकासखंड में बाढ़ का तांडव अभी थमा नहीं है, करीब एक दर्जन गांव आज भी बाढ़ के पानी से घिरा हुआ है, लोग घरों की छत पर शरण लिए हुए हैं। जनप्रतिनिधि पहुंच तो रहे है लेकिन केवल आश्वासनों का घूंट पिला कर चलता है बन रहे हैं। आज सोमवार की दोपहर को महाराजगंज के डीएम और एसपी ने भी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और लोगों की पीड़ा को नजदीक से समझा, उनमें बिस्किट और केला वितरित किया लेकिन सरकारी सुबिधाए शुन्य रही ।नेपाल में लगातार हुई बारिश के कारण भारतीय सीमा की सभी नदियां उफान पर हैं। धीरे धीरे सीमावर्ती क्षेत्र से होते हुए ग्रामीण क्षेत्रो की

तरफ बाढ़ बढ रहा है। बाढ़ की चपेट में करीब एक दर्जन गांव आज भी है। बड़ी संख्या में ग्रामीण अपने घर की छतों पर अपना समय व्यतीत कर रहे हैं।इस हकीकत से रूबरू होने के लिए जिम्मेदार अधिकारी थी आज पहुंचे हैं। लेकिन सरकारी सुविधाएं शुन्य हैं। जिम्मेदार जनप्रतिनिधि भी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे तो लेकिन ग्रामीणों की सहायता की जगह आश्वासनों का घुट पिला कर चलता बन रहे हैं। चकदह क्षेत्र में निवास करने वाले हनुमत कृपा पब्लिक चौरिटेबल कि डायरेक्टर अमरनाथ पांडे ने क्षेत्र का दौरा करते हुए ग्रामीणों से मिले और हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। हियुवा वाहिनी के जिलाध्यक्ष नरसिंह पांडे पीएसी द्वारा लगाए गए नाव में बैठकर चकदह के टोला घरौहिया मैं पहुंच कर वह ग्रामीणो से मिले घररोहिया में करीब 100 से अधिक ग्रामीण अपनी छतो पर बैठकर अपना दिन व्यतीत कर रहे हैं। ग्रामीणों की पीड़ा को समझते हुए हनुमत कृपा चौरिटेबल ट्रस्ट ने ग्रामीणों तक भोजन के पैकेट पहुंचाएं और लाई और भेली भी उन तक पहुंचाया। नरसिंह पांडे बाढ़ क्षेत्र के ऊपर पैनी नजर बनाए हुए हैं कि आप लोगों का हर संभव मदद करेंगे सुबह शाम अपने लोगों के साथ लगातार जमे हुए हैं और हर संभव लोगों की मदद भी कर रहे हैं श्री पांडे जी ने कहा की आगे भी मदद करता रहूंगा ।

नशीली दवा देकर स्कूल में नाबालिग छात्रा से रेप करने वाला टीचर गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

नौतनवां/महराजगंज। नशीली दवा देकर किया था दुराचार, ऐसे चढ़ा पुलिस के हत्थे उत्तर प्रदेश के महराजगंज जनपद में नशीली दवा देकर एक नाबालिग छात्रा से रेप करने और वारदात के बाद विडियो वायरल करने के मामले में आरोपी टीचर पुलिस के हत्थे चढ़ गया है। पुलिस की गिरफ्त में हैं आरोपी शिक्षा के मंदिर यानि स्कूल में नशीली दवा देकर नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म करने और घटना का वीडियो वायरल करने वाले पापी टीचर को पुलिस ने आखिरकार गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी कम्प्यूटर ऑपरेटर को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। नाबालिग लडकी से दुष्कर्म का मामला सामने आने और पुलिस द्वारा अभियोग पंजीकृत किये जाने के बाद अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिये पुलिस द्वारा लगातार दबिशें दी जा रही थी। एसपी ने न्यूज से बातचीत में कहा था कि छात्रा से दुष्कर्म के आरोपी के खिलाफ पुलिस द्वारा कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जायेगी। एसपी ने अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिये पुलिस को संभावित ठिकानों पर लगातार दबिशें दिये जाने के सख्त निर्देश दिये थे और टीम को जल्द से जल्द गिरफ्तारी के आदेश जारी किये थे। आरोपी मामले में फरार चल रहा था। पुलिस ने आज दोपहर आरोपी टीचर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। यह भी पढ़ेंरू महराजगंज में शिक्षा के मंदिर में पापी ने की घिनौनी करतूत, निजी इंटर कालेज में नशीली दवा देकर नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म, वीडियो वायरलबता दें कि पुलिस को दी गई तहरीर में पीड़िता के परिजनों का कहना है कि उनकी 15 वर्षीय लड़की एक दिन स्कूल में पढ़ने गई तो उसी विद्यालय में कम्प्यूटर ऑपरेटर पद पर तैनात आरोपी ने कोल्ड्रिंक में नशे की गोली मिलाकर पीड़िता को पीने को दिया। आरोपी ने विद्यालय के अंदर ही बेसुध लड़की के साथ दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो भी बनाया। बाद में आरोपी लड़की को ब्लैकमेल करने लगा। जब लड़की ने आरोपी से बात करने से मना कर दिया तो आरोपी ने वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया था। पुलिस मामले में अभियोग पंजीकृत कर फरार आरोपी की तलाश में जुटी थी, जिसे अब गिरफ्त कर लिया गया है।

मुख्यमंत्री ने 50 पीएम आवास योजना के लाभार्थियों के खातों में ऑनलाइन धनराशि हस्तांतरित की

दैनिक बुद्ध का सन्देश

हरदोई। कृष्ण जन्म अष्टमी के शुभ अवसर पर श्रीशचन्द्र बारात घर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अन्तर्गत 50 लाभार्थियों के खातों में आवास निर्माण हेतु धनराशि और पीएम स्वनिधि योजना के 50 लाभार्थियों के खातों में रू०–10 हजार ऋण की धनराशि ऑनलाइन हस्तांतरित की।कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद अध्यक्ष सुखसागर मिश्र, अपर जिलाअधिकारी संजय कुमार सिंह, पीओ डूडा संगीता सिंह एवं अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद रवि शंकर शुक्ल ने प्रधान मंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत 50 लाभार्थियों को डूडा विभाग की ओर से प्रधानमंत्री आवास के प्रमाण पत्र तथा पीएम स्ट्रीट वेंडर्स आत्म निर्भर निधि योजना के तहत ठेला, खुमचा एवं गुमटी आदि के माध्यम से जीवन यापन करने वाले 50 लाभार्थियों को रू०–10 हजार के पथ विक्रेता ऋण प्रमाण पत्र प्रदान किये।इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष ने लाभार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत एवं प्रदेश सरकार नगरीय निकायों में निवास करने वाले गरीब पात्र लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास देकर उनके रहने की व्यवस्था की जा रही है साथ ही छोटे दुकानदारों एवं ठेला, खुमचा व गुमटी आदि के माध्यम से जीवन यापन करने वाले लोगों को ऋण के माध्यम से धनराशि उपलब्ध कराकर आत्म निर्भर बनाया जा रहा है। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में गरीब पात्रों को आवास की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी। कार्यक्रम में जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार सहित पत्रकार बन्धु एवं लाभार्थी उपस्थित रहे।

भाजपा और सपा एक सिक्के के दो पहलू है–सतीश चन्द्र मिश्रा'

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। लखनऊ रोड पर स्थित हरियाली रिसॉर्ट मे सोमवार को बसपा के प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा ने पूरे समय ब्राह्मण समाज को उसके साथ सपा और भाजपा शासनकाल मे हुई दर्जनो घटनाओ को गिनाते हुए कहा कि उसके हित मे बसपा सरकार रही है और रहेगी।उन्होंने कहा कि सपा और भाजपा एक सिक्के के दो पहलू है।इन दोनो सरकार के आने पर प्रदेश मे माफिया और गुण्डा राज कायम हो जाता है और भ्रष्टाचार बढ़ जाता है।उन्होंने कहा कि ब्राह्माण समाज अपनी ताकत को पहचाने और एक जुट होकर बसपा की सरकार बनाएं।उन्होंने कहा कि भाजपा ने विकास के नाम पर विनाश किया है।उसे धर्म और संस्कृति से कोई लेना–देना नही है।हजारो करोड रूपये खर्च करने के बाद भी अयोध्या बदहाली का शिकार है।उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार मे ब्राह्मण और दलितो का उत्पीड़न, अत्याचार हुआ है।उन्होंने ब्राहमणो को याद दिलाते हुए कहा कि 2005 मे लखनऊ मे हुए सम्मेलन के अवसर पर बहन जी अपना नारा और दृष्टिकोण बदलकर ब्राह्मणो को विधान सभा से लेकर हर जगह अच्छी भागीदारी दी थी।उन्होने अपने पूरे सम्बोधन मे एक बार भी मुसलमानो की चर्चा नही की।

दैवीय आपदा प्रभावित व्यक्तियों को दी गयी सहायता धनराशि

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। जिलाधिकारी डॉ दिनेश चन्द्र ने बताया कि तहसील नानपारा के ग्राम चौकसाहार के राम नरेश पुत्र प्रसाद, अमिरका पुत्र कल्लू, मुरली पुत्र घूरे, दया प्रसाद पुत्र सुर्जलाल, रामू पुत्र गया प्रसाद व छविनाथ पुत्र सुर्जलाल, सोहबतिया के ओम प्रकाश पुत्र ढोढ़े, बनारस पुत्र ढोढ़े, रामसरन पुत्र सकटू, राममिलन पुत्र ढोढ़े, दिनेश कुमार पुत्र रामसरन, प्रमोद कुमार पुत्र रामसरन ग्राम लौकिहा निवासिनी श्रीमती राधा पत्नी रामरूप का पक्काध कच्चा पूर्ण मकान सरयू नदी में समाहित हो जाने के फलस्वरूप तथा तहसील कैसरगंज के ग्राम मंझारातौकली के राज कुमार पुत्र रामबली का पक्का मकान घाघरा नदी में समाहित हो जाने के फलस्वरूप प्रति पीड़ित व्यक्ति रू. 95,100=00 की दर से कुल 14 व्यक्तियों को धनराशि रू. 13 लाख 31 हजार 400 की गृह अनुदान की सहायता धनराशि उपलब्ध करायी गयी है। इसके अलावा तहसील नानपारा अन्तर्गत 24 व्यक्तियों की झोपड़िया सरयू नदी में समाहित हो जाने के फलस्वरूप प्रति पीड़ित व्यक्तिय रू. 4,100=00 की दर से कुल धनराशि रू. 98 हजार 400 की गृह अनुदान की सहायता धनराशि उपलब्ध करायी गयी है।

प्रधान मंत्री आवास लाभार्थियों से संवाद का कार्यक्रम हुआ संपन्न

दैनिक बुद्ध का सन्देश

हरदोई (मल्लावां)। अधिशासी अधिकारी मुकेश कुमार निगम ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी तथा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत लाभार्थियों से वर्चुअल संवाद किया गया। जिसमें 2,00,853 लाभार्थियों को 1,341.17 करोड़ की धन राशि का ऑनलाइन हस्तांतरण प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत किया गया। नगर पालिका परिषद मल्लावां में वर्चुअल संवाद कार्यक्रम का आयोजन पालिका कार्यालय में किया गया। जिसमें जनप्रतिनिधिगण, सदस्यगण, पालिका कर्मी, मीडिया बंधु तथा योजनाओं के लाभार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

कछौना में भी हुआ मुख्यमंत्री वर्चुअल संवाद का सीधा प्रसारण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

हरदोई (कछौना)। मुख्यमंत्री द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी तथा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत लाभार्थियों से वर्चुअल संवाद किया गया। जिसमें 2,00,853 लाभार्थियों को धनराशि का ऑनलाइन हस्तांतरण प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत किया गया। नगर पंचायत कछौना पतसेनी में वर्चुअल संवाद कार्यक्रम का आयोजन खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में किया गया। जिसमें जनप्रतिनिधिगण, सदस्यगण, पालिकाकर्मी तथा योजनाओं के लाभार्थियों द्वारा उक्त कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी सुश्री रेणुका यादव, नगर पंचायत कर्मचारी आदि मौजूद रहे।

क्षतिग्रस्त अंगों के पुनर्निर्माण की आधुनिक प्रक्रिया पर संगोष्ठी सम्पन्न

प्रयागराज। इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन के सभागार में रविवार को माइक्रो वैसकुलर सर्जरी पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ. मोहित जैन ने प्लास्टिक सर्जरी द्वारा कैंसर व आकस्मिक दुर्घटना से क्षतिग्रस्त अंगों के पुनर्निर्माण की आधुनिक प्रक्रिया से अवगत कराया। ए.एम.ए. अध्यक्ष डॉ. एम.के मदनानी की अध्यक्षता में आयोजित संगोष्ठी में डॉ मोहित जैन ने बताया कि दूरबीन विधि द्वारा शरीर के अन्य भाग से मांस उठाकर क्षतिग्रस्त भाग का सर्जिकल उपचार सफलता पूर्वक किया जा सकता है। जिससे रोगी भविष्य में चिकित्सा के बाद अपना कार्य पूर्व की भांति सुचारू रूप से कर सकता है।

डॉ. पल्लवी निगम ने अत्याधुनिक कैंसर की जांच की मशीन फ्रोजन सेक्शन के बारे में बताया। कहा कि यह मशीन बहुत कम समय में आपरेशन के उपरान्त ही कैंसर की जांच कर लेता है। यह मशीन हाल में ही मोहक हास्पिटल में लगी है। जिससे कैंसर के मरीजों के इलाज में महत्वपूर्ण भूमिका मिल रही है और रोगी को शीघ्र लाभ हो रहा है।

डॉ. राजुल अभिषेक ने दूरबीन विधि द्वारा पेट में होने वाले कैंसर के आपरेशन के बारे में जानकारी दी और दूरबीन विधि द्वारा मोहक हास्पिटल में कैंसर के होने वाले आपरेशन से होने वाले मरीजो के लाभ के बारे में जानकारी दी। इस विधि से आपरेशन होने पर मरीज जल्द स्वस्थ हो जाता है। जिससे आगे होने वाले इलाज कीमोथेरेपी व रेडियोथेरेपी जल्द शुरू की जा सकती है।

संगोष्ठी के चेयरपर्सन डॉ. वल्सला मिश्रा, डॉ. सपन श्रीवास्तव तथा डॉ. संजय तिवारी थे। जिन्हे एएमए अध्यक्ष ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। एएमए के वैज्ञानिक सचिव डॉ आशुतोष गुप्ता ने संगोष्ठी का संचालन तथा सचिव डॉ. राजेश मौर्या ने धन्यवाद ज्ञापन किया। संगोष्ठी में डॉ. अशोक अग्रवाल, डॉ. आरकेएस चौहान, डॉ. आरके गुप्ता, डॉ. रोहित गुप्ता, डॉ. कमल सिंह, डॉ. सुबोध जैन, डॉ. जीएस सिन्हा, डॉ. सुजीत सिंह, डॉ. युगान्तर पाण्डेय, डॉ. अनूप चौहान, डॉ. संतोष सिंह, डॉ. अभिनव अग्रवाल, डॉ. उत्सव सिंह आदि उपस्थित थे।

दलित स्वाभिमान यात्रा दलित समाज को संगठित करने का कार्य करेंगी: विनीत वर्मा

हरदोई। कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के जिलाध्यक्ष विनीत वर्मा के नेतृत्व में दलित स्वाभिमान यात्रा निकाली गई।इसका आयोजन 29 अगस्त 1947 को बाबा भीम राव अम्बेडकर को संविधान ड्राफ्टिंग कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था।गांधी प्रतिमा तिकुनिया पार्क से अम्बेडकर पार्क तक दलित स्वाभिमान यात्रा का आयोजन किया गया,जिसमें मुख्यातिथि के रूप में एनएसयूआई राष्ट्रीय संयोजक अमलेंद्र त्रिपाठी मौजूद रहे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष विनीत वर्मा ने कहा कि बाबा साहब ने संविधान को अंतिम पंक्ति के व्यक्ति के लिए बनाया ताकि देश में समानता आ सके और देश विकास की ओर अग्रसर हो सके। बाबा साहब की इच्छा थी कि भारत का प्रत्येक व्यक्ति पढ़ लिख कर भारत को विश्व गुरु बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाए।अमलेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा संविधान की हत्या की जा रही है और तानाशाही रवैया अपनाया जा रहा है यह देश में गांधीजी और बाबा साहब जैसे महान लोगों की जन्म भूमि व कर्मभूमि है लेकिन भारत को बेचने का कार्य मौजूदा सरकार कर रही है।प्रदेश सचिव कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग अमीर अहमद ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा पिछड़ों और दलितों की मदद की है और देश को एक सूत्र में पिरोहने का कार्य किया है। लेकिन मोदी सरकार द्वारा देश तोड़ने का कार्य किया जा रहा है लोगों को जाति धर्म के नाम पर लड़ाया जा रहा है।महिला जिलाध्यक्ष सुनीता देवी ने कहा कि बाबा साहब ने संविधान में महिलाओं को बराबर के अधिकार दिए और महिला सशक्तिकरण की बात की। लेकिन आज की सरकार द्वारा महिलाओं की अनदेखी की जा रही है।उक्त कार्यक्रम में महासचिव भुटटो मिया , श्याम प्रकाश शुक्ला, रियाज अहमद,मोहन सिंह,उत्कर्ष दीक्षित, आशुतोष गुप्ता,ललित कश्यप सभासद मौजूद रहे।

सॉझा प्रयास नेटवर्क ने किया सुरक्षित गर्भसमापन व परिवार नियोजन विषय पर जागरूक

सिधौली खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय में हुआ एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

सिधौली (सीतापुर)। चित्रांशु समाज कल्याण परिषद संस्था व सॉझा प्रयासनेटवर्क द्वारा खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय सिधौली में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख रामबक्श रावत व विशिष्ट अतिथि चंद्र किशोर वर्मा रहे। कार्यशाला में सॉझा प्रयास नेटवर्क से रत्ना, दिलीप श्रीवास्तव, सीनियर रिसर्च एंड टेनिंग प्रोग्राम ऑफिसर अर्चना मिश्रा ने प्रजनन स्वास्थ्य व सुरक्षित गर्भसमापन विषय पर अपने विचार रखें। कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए कार्यक्रम अधिकारी अर्चना मिश्रा ने सॉझा प्रयास नेटवर्क के बारे में बताया कि यह नेटवर्क बिहार व उत्तर प्रदेश में बीस स्वंयसेवी संस्थाओं का नेटवर्क है। जो कि महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य विशेषकर सुरक्षित गर्भसमापन सेवाओं को सुदृढ करने व समुदाय में जागरूकता बढ़ाने का कार्य करता है। इसके साथ ही यह भी बताया कि जनपद सीतापुर में सॉझा प्रयास नेटवर्क के तहत लगभग 520 आशा, 240 एएनएम व 600 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को सुरक्षित गर्भसमापन व परिवार नियोजन विषय पर जागरूक किया गया। यह नेटवर्क विभिन्न हितधारकों जैसे स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, पंचायत प्रतिनिधि, लोकल एनजीओ मीडिया, सेवा प्रदाताओं आदि के साथ कार्य कर रहा है।

जिससे समुदाय के लोगों में सुरक्षित गर्भसमापन व परिवार नियोजन विषय पर जागरूकता बढ़ सके। वही विशिष्ट अतिथि सहायक विकास पंचायत अधिकारी चंद्र किशोर वर्मा ने बताया कि महिलाओं की मृत्युदर का कारण जागरूकता की कमी ही है। लखनउ सचिवालय से आए सॉझा नेटवर्क ने बताया कि भारत में अनुमानित प्रतिवर्ष 1.56 करोड़ गर्भसमापन होते है। जिनमें लगभग 50 प्रतिशत गर्भ धारण अनचाहे होते हैं। भारत में मातृ मृत्युदर में असुरक्षित गर्भसमापन का योगदान 8 प्रतिशत है। उत्तर प्रदेश में प्रतिवर्ष होने वाले कुल 31 लाख गर्भपात में से सिर्फ 11 प्रतिशत ही स्वास्थ्य संस्थाओं में होते है। साथ ही उन्होंने कहां कि सुरक्षित गर्भसमापन विषय से संबंधित जानकारी ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचे और लोग इस विषय पर जागरूक हों। आईपास डेवेल्पमेंट फाउंडेशन रत्ना ने एटीपी एक्ट के बारे मे विस्तार से बताया कि हमारे देश में गर्भपात हेतु मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेगनेंसी एक्ट 1971 लागू है, लेकिन गर्भसमापन संबंधी कानूनी जानकारी का लोगों में अभाव हे।

स्वैच्छिक संस्था के प्रतिनिधियों की भी स्थानीय स्तार पर सेवादाताओं की निगरानी की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। उक्त मुद्दों पर संस्था के प्रतिनिधियों के संवेदीकरण में समुदाय में बेहतर जागरूकता लाने में मद्द मिलेगी तथा असुरक्षित गर्भसमापन के कारण हो रही महिला मृत्युदर में कमी लायी जा सकेगी।

क्षत्रिय महासभा द्वारा आयोजित विजयोत्सव में नवनिर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों का किया गया स्वागत

हरदोई। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में विजय हुए प्रधान ,जिला पंचायत सदस्य व ब्लाक प्रमुखों का सम्मान क्षत्रिय महासभा द्वारा विजयोत्सव समारोह में किया गया।क्षत्रिय महासभा द्वारा विजयोत्सव समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें जिले भर के त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में विजय हुए प्रधान, जिला पंचायत सदस्य ,व ब्लाक प्रमुखों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रुप में सवायजपुर के विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह रानू उपस्थित रहे। क्षत्रिय महासभा के जिला अध्यक्ष राजपाल सिंह ने हरदोई जनपद में विजित रहे क्षत्रिय 109 प्रधानों को सम्मानित किया।वहीं क्षत्रिय जिला पंचायत सदस्य जीतने वाली,माधुरी सिंह पत्नी राणा प्रताप सिंह,राम प्रताप सिंह,प्रियंका सिंह, वरुणा सिंह,रमेश सिंह को सम्मानित किया। वहीं ब्लॉक प्रमुख अंजू सिंह पत्नी धीरेंद्र प्रताप सिंह भरखनी ब्लाक प्रमुख, शिवा सिंह पत्नी धर्मेंद्र सिंह बाबन ब्लाक प्रमुख, सत्येंद्र सिंह मुन्ना बिलग्राम ब्लाक प्रमुख, धर्मवीर सिंह पन्ने अहिरोरी ब्लाक प्रमुख, विनोद सिंह तोमर भरावन ब्लाक प्रमुख को सम्मानित किया गया। उसके उपरांत विनोद सिंह तोमर ब्लाक प्रमुख भरावन ने संबोधित करते हुए बताया कि क्षत्रियों द्वारा हमेशा समाज की रक्षा और सुरक्षा की है।आज भी हम क्षत्रियों द्वारा समाज की रक्षा और सुरक्षा की जा रही है, लेकिन आज की सरकारी व कानून व्यवस्था हम क्षत्रियों को हर तरफ से कमजोर करने का प्रयास कर रही है लेकिन हम क्षत्रियों को एकजुट रहकर आगे बढ़ना चाहिए। साथ ही विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह रानू ने बताया कि हमेशा हमारे द्वारा क्षत्रिय समाज को समर्थन दिया जाता रहा है।अनिल सिंह ने कहा कि जब तक क्षत्रिय समाज एकजुट नहीं होगा तब तक ऐसे ही लोगों द्वारा क्षत्रियों को अलग किया जाता रहेगा। लेकिन क्षत्रियों को जागरूक होने की जरूरत है और आगे बढ़ कर समाज सेवा भी करनी चाहिए। ऐसे तमाम लोगों ने अपने विचार रखे।

वहीं क्षत्रिय महासभा की महिला जिला अध्यक्ष सीमा सिंह राठौड़ ने बताया कि क्षत्रियों ने हमेशा लोगों की मदद की है क्या महिला हो या पुरुष और महिलाओं का भी योगदान क्षत्रिय महासभा में उतना ही रहा है जितना पुरुषों का रहा है।वह हमेशा महिलाओं ने पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर हर समाज की मदद की है। वहीं भाजपा नेता राम बहादुर सिंह ने कहा कि क्षत्रिय बंधुओं के लिए हर समय वह तैयार हैं।इस मौके पर राजेश सिंह, शिवचरण चौहान, बलराम सिंह राठौर, राजेंद्र सिंह, प्रशान्त सिंह ज्ञानू, प्रयाग सिंह, योगेंद्र सिंह कसरावां, कमलेंद्र सिंह, अशोक सिंह लालू, अखिलेश सिंह सिकरवार, महिला शांति सिंह ,सुमन सिंह,आरती गौर ,प्रिया सिंह ,विवेक सिंह, रवि सिंह, दिनेश सिंह, रंजीत सिंह, बबलू सिंह, बलवीर सिंह ,अशोक सिंह,रंजीत सिंह, अखिलेश कुमार, पवन सिंह ,आदि कई क्षत्रिय बंधु मौजूद रहे।

हरदोई पत्रकार एसोसिएशन की कछौना ब्लॉक की कार्यकारिणी का हुआ गठन

रामशंकर आजाद को बनाया गया अध्यक्ष

हरदोई।पत्रकारिता को स्वच्छ बनाये रखने के लिए कछौना में हरदोई पत्रकार एसोसिएशन की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता हरदोई पत्रकार एसोसिएशन के अध्यक्ष सुधांशु मिश्रा ने की।बैठक में कछौना ब्लाक की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। कछौना ब्लाक के वरिष्ठ पत्रकार रामशंकर आजाद को कछौना ब्लाक अध्यक्ष मनोनीत किया गया तो वही अजय सिंह को उपाध्यक्ष,आशु सिंह को महामंत्री,पी डी गुप्ता को मंत्री,नन्द किशोर शर्मा को संगठन मंत्री,मीडिया प्रभारी गौरव मिश्रा को बनाया गया।बैठक से पूर्व हरदोई पत्रकार एसोसिएशन के अध्यक्ष सहित बैठक में भाग लेने पहुंचे सभी पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

बैठक के दौरान हरदोई पत्रकार एसोसिएशन के अध्यक्ष सुधांशु मिश्रा ने सभी नव मनोनीत पदाधिकारियों को संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा की शपथ दिलाई और पत्रकार हितों के संरक्षण का संकल्प दोहराया।बैठक में प्रमुख रूप से हरदोई पत्रकार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष मनोज तिवारी व महामंत्री अरविन्द तिवारी,मंत्री आशीष द्विवेदी,अभिनव द्विवेदी,रजनीश सिंह, सुनील कुमार राजू, कोषाध्यक्ष पुलकित शर्मा, मीडिया प्रभारी राजेश कश्यप व प्रशान्त सिंह ज्ञानू, जितेन्द्र सिंह बाबी, दीपक श्रीवास्तव, मोहित द्विवेदी,सौरभ श्रीवास्तव, राघवेंद्र उर्फ राहुल सिंह, प्रभु दयाल तिवारी (पी डी तिवारी) आदि पत्रकार मौजूद रहे।

इनिशिएटिव फाउंडेशन इंडिया के निदेशक ने बाढ़ पीडिघ्तों को वितरित की राशव किट

सेउता (सीतापुर)। बिकास क्षेत्र रेउसा के बाढ़ पीडिघ्तों को राशन वितरण के दौरान इनिशिएटिव फाउण्डेशन इंडिया के निदेशक अमित ने कहा की सड़क पर डेरा डाले बाढ़ पीडिघ्तों के सामने रहने व खाने का संकट है। इसलिए इनिशिएटिव फाउण्डेशन इंडिया जरुरतमंद परिवार की मदद में अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है। इसी क्रम में आज राहत अभियान के तहत इनिशिएटिव फाउण्डेशन इंडिया ने गूंज संस्था के सहयोग से रेउसा ब्लाक के 100 बाढ़ पीडिघ्त परिवारों को राशन किट आटा, चावल, दाल, तेल, साबुन का वितरण कर, बाढ़ पीडिघ्तों की तकलीफ कम करने के साथ ही उन्हें थोड़ी राहत पहुंचाने की कोशिश किया हैं। संस्था द्वारा जरुरत मंदों को राहत पहुचाने का आभियान आगे भी जारी रहेगा।

सामाजिक कार्यकर्ता और इनिशिएटिव फाउण्डेशन इंडिया की बोर्ड मेंबर कमारुनिशा अंसारी ने राशन किट वितरित करते हुए कहाँ की जनपद में घाघरा नदी से आई बाढ़ के कारण कई गांव के वजूद खत्म हो गया और घर, मकान सब कुछ नदी में समा गया। सैकड़ों गांव अभी भी बाढ़ की चपेट में हैं और हजारों परिवार गांव से पलायन कर सड़कों पर बेहद तकलीफ के साथ भूखे रहने को मजबूर हैं। आज इनिशिएटिव फ उण्डेशन इंडिया और गूंज संस्था ने ऐसे परिवारों को राशन किट देकर बहुत सराहनीय और नेक काम किया हैं। राहत अभियान में नागरिक अधिकार संगठन के संयोजक हरिशंकर गुप्ता ने कहा की भारी बाढ़ के कारण सड़क कट जाने से गांवों का आवागमन बाधित है और घरों में अभी भी पानी भरा हुआ है। गांव में आई भारी बाढ़ से बेघर हुए हजारों परिवार भूख से परेशान हैं। ऐसे में इनिशिएटिव फ ाउण्डेशन इंडिया और गूंज संस्था द्वारा दिया जा रहा राशन किट बेघर परिवारों की जान बचाने में मदद करेंगा। राहत अभियान में सदस्य पूजा, रामबालक, प्यारेलाल, संतोष यादव, विजयराज यादव, रामानंद यादव, राजू यादव आदि शामिल रहें।

कुर्मी महासंघ ने बैठक कर बड़ी रैली का किया ऐलान

महोली (सीतापुर)। कुर्मी युवा महासंघ उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष अनिल वर्मा के नेतृत्व में महासंघ के पदाधिकारियों ने तहसील क्षेत्र के चमखर गांव में स्थित सती जयदेवी मंदिर पर कुर्मी समाज के करीब पांच सौ पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की बैठक की। जिसके दौरान कुर्मी महासंघ के पदाधिकारी शिव बहादुर पटेल आदर्श पटेल राकेश वर्मा ने प्रदेश अध्यक्ष अनिल वर्मा के नेतृत्व में आगामी 26 सितंबर को लखनऊ के रमाबाई मैदान पर आजादी के बाद उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी रैली का ऐलान किया। कुर्मी महासंघ के अध्यक्ष अनिल वर्मा ने कहा राजधानी में होने वाली कुर्मी समाज के लोगों की अप्रत्याशित रैली में कई जिलों से तकरीबन 7 से 8 लाख लोगों के जुडने की संभावना है। जिसमें महोली विधानसभा से करीब 200 बसें कुर्मी व कृषक समाज के लोगों को रमाबाई स्थान पर रैली में लेकर जाएंगी। अनिल वर्मा ने कहां कि कुर्मी समाज एक कृषक समाज है। किसान को अपनी फसल के दाम तय करने का अधिकार मिले और एक किसान आयोग गठित कर उनकी आय दो गुना करने की बात की। बैठक के दौरान राजधानी के रमाबाई मैदान पर होने वाली रैली में कुर्मी समाज के हक की फर्श से अर्श तक की लड़ाई में सभी से बढ़.चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की। इस गोष्टी में सुधीर वर्मा, अखिलेश वर्मा, शमशेर, बहादुर सिंह, ललित वर्मा, सुभाष वर्मा, जटाशंकर वर्मा, दीपू वर्मा, मनोज वर्मा, कमलेश कुमार वर्मा, सोनू वर्मा, शिवनारायण लाल वर्मा, प्रद्युम्न वर्मा, वेद विक्रम वर्मा, अवधेश वर्मा, सुधीर वर्मा सहित कुर्मी समाज के तमाम लोग उपस्थित रहे।

अल्लामा फजले हक की पुण्यतिथि पर गोष्ठी का आयोजन

खैराबाद (सीतापुर)। अमर शहीद अल्लामा फजले हक खैराबादी की पुण्यतिथि के सिलसिले में मदरसा नजमुल इस्लाम मोहल्ला मियां सरायें में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया और देश की आजादी में उनके योगदान को सराहा गया। साथ ही खैराबाद कमिश्नरी के अंतिम राजा महान देशभक्त लाला हरदयाल को भी याद किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि मुख्ती इलियास कासमी कहा कि खैराबाद में जन्मे अल्लामा फजले हक खैराबादी ने 1857 में ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ फ तवा जारी किया था। उन्हें अंग्रेजों ने गिरफ्तार करके काले पानी की सजा देकर अंडमान निकोबार दीप समूह भेज दिया था। जहां अंग्रेजों द्वारा दी गई यातनाओं से फजले हक खैराबादी की 20 अगस्त 1861 शहादत हुई। मुख्तार अहमद खान की अध्यक्षता में आयोजित गोष्ठी से समाजसेवी राम सुमिरन शर्मा ने कहा अल्लामा फ जले हक साहब की शहादत पर पूरे जिले को आज भी गर्व है। उनकी शहादत को पूरा हदुस्तान सदैव याद रखेगा। फरीद अहमद बिलगिरामी ने अल्लामा फ जले हक के साहित्यक जीवन पर प्रकाश डालते हुवे कहा की अल्लामा फ जले हक जहाँ एक स्वतंत्रता सेनानी थे वही बेहतर साहित कार भी थे। इस अवसर पर वक्तावाओं को मेमोटो देकर सम्मानित भी किया गया। प्रोग्राम का संचालन जावेद खान ने किया और आये सभी लोगों का शुक्रिया भी अदा किया। इस अवसर पर एहसान गाड़ी, मनीष शर्मा, इस्माइल शाह, मोहम्मद गुफ रान, मोहम्मद इसराइल, मोहम्मद आरिफ आदि लोग उपस्थित रहे।

श्रमजीवी पत्रकार यूनियन की मासिक बैठक सम्पन्न

बिसवां नगर (सीतापुर)। श्रमजीवी पत्रकार यूनियन बिसवां इकाई की मासिक बैठक जहांगीराबाद बस स्टॉप स्थित सन शाइन स्कूल में संपन्न हुयी। जिसकी अध्यक्षता इकाई के अध्यक्ष रामचंद्र वर्मा ने की। बैठक का संचालन उपाध्यक्ष अवधेश शुक्ल ने किया। बैठक में कोरोना काल में पत्रकारों को हुयी समस्या के बारे में विस्तृत चर्चा की गयी एवं उपस्थित सदस्यों से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली गयी। इस दौरान उपाध्यक्ष अवधेश शुक्ल वरिष्ट उपाध्यक्ष सुनील रस्तोगी, कोषाध्यक्ष प्रदीप शुक्ला, महामंत्री अय्यूब खान, मंत्री आजाद अंसारी, ऑडिटर तेजभान यादव, अश्वनी त्रिपाठी, अशोक श्रीवास्तव, बिलाल खान, अभय अवस्थी, नय्यर शकेब, बृजलाल यादव, नितेश कुमार, विकास वर्मा, महेंद्र कुमार, प्रमोद पाण्डेय आदि सदस्य मौजूद रहे।

सदिग्ध परिस्थितियों में फांसी पर झूली विवाहिता

बिसवां नगर (सीतापुर)। कोतवाली अंतर्गत ग्राम मोचकलां में अज्ञात परिस्थितयों में एक विवाहिता ने फांसी के फंदे से झूलकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। जानकारी के मुताबिक थाना बिसवां अंतर्गत ग्राम मोचकलां निवासी मनोज पुत्र अज्ञात की पत्नी अनीता का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे से झूलता हुआ उसके घर पर पाया गया। पुलिस को घटना की सूचना दिए बिना ही परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया है। आस पास के लोगों के अनुसार दोनों पति पत्नी में आपसी लड़ाई हुयी थी। जिसके बाद अनीता देवी ने अपने बच्चों को घर के बाहर भेजकर फांसी के फंदे से झूलकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतका का पति मनोज थाना सदरपुर अंतर्गत ग्राम संसारपुर का रहने वाला है और मोचकलां में अपने नाना के घर पर अपनि पत्नी व दो बच्चों के साथ रहता था। घटना होने के बाद मनोज ने बिना मृतका के मायके वाले व पुलिस को सूचना दिए शव का अंतिम संस्कार कर दिया। उक्त सम्बन्ध में प्रभारी निरीक्षक ओपी तिवारी ने बताया कि अभी तक किसी ने भी तहरीर नहीं दी है। तहरीर मिलने के उपरांत कार्यवाही की जाएगी।

अमर ज्योति एसोसिएशन ने अर्जुनपुर पुल बनाने की घोषणा से जताई खुशी

हरपालपुर,हरदोई।कस्बा स्थित पूर्व प्रधानाचार्य रामप्रताप पांडेय के आवास पर समाजसेवी संस्था अमर ज्योति एसोसिएशन के पदाधिकारियों की बैठक में अर्जुनपुर–बड़ागांव रामगंगा नदी पर पक्का पुल स्वीकृत करने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बधाई दी गई। क्षेत्रीय विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह रानू द्वारा शासन तक पक्का पुल बनवाने हेतु पैरवी के लिए सराहना की गई। वही अमर ज्योति एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने स्थानीय मीडिया का धन्यवाद ज्ञापित किया है।समाज सेवी संस्था द्वारा अर्जुनपुर बड़ागांव पक्का पुल बनाओ अभियान के तहत समय–समय पर किए गए आंदोलनों में शामिल सभी संघर्ष के साथियों का आभार व्यक्त किया गया। संस्था अध्यक्ष विष्णु नारायण दीक्षित एवं महासचिव प्रमोद तिवारी एडवोकेट ने बताया कि स्वामी विवेकानंद,सुभाष चंद्र बोस अथवा अटल सेतु में से किसी एक नाम से नामकरण करने हेतु सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया।इस संबंध में मुख्यमंत्री को जनप्रतिनिधियों व जिलाधिकारी के माध्यम से इस आशय का ज्ञापन भेजा जाएगा। इस मौके पर पूर्व प्रधानाचार्य रामप्रताप पांडेय, समाजसेवी अरविंद मिश्रा, मुन्नू लाल पांडेय,मुकेश द्विवेदी एडवोकेट, अंकित व अविनाश तिवारी आदि मौजूद रहे।

विद्यालय में अभिभावकों के साथ हुई बैठक

जौनपुर। प्राथमिक विद्यालय ताहिरपुर में 1 सितंबर को विद्यालय खुलने की तैयारियों को लेकर विद्यालय के प्रधानाध्यापक व प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अमित सिंह की अध्यक्षता में एआरपी, शिक्षक संकुल मेंटर, ग्राम प्रधान, एसएमसी सदस्य, विद्यालय के शिक्षकों व अभिभावकों की बैठक स्वामी विवेकानंद हाल में हुई। बैठक में बच्चों की उपस्थिति के साथ कोविड से बचाव स्वच्छता सावधानियों तथा पठन पाठन पर परिचर्चा की गई। जिलाध्यक्ष ने कहा कि एक सितंबर से विद्यालय आने वाले कक्षा एक से पांच तक बच्चों की कोविड से बचाव व स्वच्छता की पूरी तैयारी कर ली गई है मोहल्ला क्लास में पढ़ने वाले कुछ बच्चों को किताबें दे दी गई है और शेष बच्चों की किताबें विद्यालय पर बच्चों को प्राप्त कर दी जाएगी शासन की मंशानुसार एमडीएम कंवर्जन कास्ट की धनराशि की तीनों किश्ते अभिभावकों के खातों में भेज दी गई है।पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष व एआरपी विज्ञान सुशील उपाध्याय ने अभिभावकों को मिशन प्रेरणा व उपचारात्मक शिक्षा के बारे बताया । वाराणसी मंडल से फोस्टर एंड फोर्ब्स फाउंडेशन की शिक्षक संकुल केपीआई मेंटर सोनिका सिंह ने मिशन शक्ति पर महिलाओं की सुरक्षा सम्मान व स्वावलंबन व महिला अभिभावकों से बात की और अभिभावकों से बच्चों की समस्याओं पर एक एक करके बातचीत करते हुए उसका निराकरण किया गया। इस दौरान विद्यालय में कार्यरत रसोइयों माधुरी देवी गीता देवी व शीला गौड़ को नई साड़ी प्रदान कर उनके उत्कृष्ट कार्य ले लिए सम्मानित किया गया। भारी संख्या में अभिभावकों के साथ ग्राम प्रधान निशा यादव शिक्षक संकुल सीमा उपाध्याय नीलम सिंह संयुक्ता सिंह आराधना उपाध्याय गजाला बानो नेहा जायसवाल दिनेश यादव श्यामधर यादव माधुरी सिंह मनोज कुमार एसएमसी अध्यक्ष विवेक कुमार इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

पैरोल पर छूटा शातिर तमंचा लेकर घूमता मिला

कानपुर। हरबंश मोहाल पुलिस ने कैनाल रोड के तोता पार्क के पास शातिर को तमंचा और कारतूस के साथ दबोच लिया। इंस्पेक्टर सत्यदेव शर्मा ने बताया कि शातिर की पहचान पनकी पावर हाउस निवासी अभय सिंह के रूप में हुई है। उस पर हरबंश मोहाल,कोतवाली, रेलबाजार और जीआरपी में कई मुकदमे दर्ज हैं।

कांग्रेस ने निकाली दलित स्वाभिमान यात्रा

जौनपुर। डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को याद करते हुए कांग्रेस द्वारा दलित स्वाभिमान यात्रा निकाली गई 29 अगस्त 1947 को बाबा डॉ0 अंबेडकर को संविधान ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था । इसके उपलक्ष में कांग्रेस पार्टी अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज सोनकर के नेतृत्व में दलित स्वाभिमान यात्रा निकालकर दलित सम्मान दिवस मनाया गया, यह यात्रा गांधी पार्क से शुरू होकर अंबेडकर पार्क दीवानी चौराहा पर डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की मूर्ति पर माल्यार्पण करके इस पदयात्रा का समापन किया गया, इस मौके पर बोलते हुए जिलाध्यक्ष फैसल हसन तबरेज ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है देश के लिए क्योकि आज ही के डॉ0 अंबेडकर को संविधान ड्राफ्टिंग कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया था ।उन्होंने इस देश को ऐसा संविधान दिया जिसके दम पर भारत पूरी दुनिया मे सबसे मजबूत लोकतंत्र के रूप में उभरा और आज पूरी दुनियां जिसकी नजीर देती है। शहर अध्यक्ष विशाल सिंह हुकुम अनुसूचित विभाग के शहर अध्यक्ष संदीप सोनकर जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र वीर विक्रम बहादुर सिंह राकेश उपाध्याय जिला महासचिव राजकुमार निषाद शैलेंद्र सिंह राजबहादुर गौतम राहुल सोनकर रोहित कुमार विषम सोनकर तुषार कुमार रोहित सोनकर विदेशी सोनकर राज सोनकर आदि लोग उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक
बुद्ध का संदेश
समाचार पत्र
स्वत्वाधिकारी प्रकाशन एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योतीनगर निकट हीरो एजेन्सी, मधुकरपुर,जिला–सिद्धार्थनगर–272207 उ.प्र. से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं०– UPHIN/2012/49458
संस्थापकः– स्व0 श्री के.सी. शर्मा | प्रधान सम्पादकः– राजेश शर्मा
8795951917, 9453824459
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय ही मान्य होगा
ई–न्यूज पेपरः– www.budhakasandesh.com
E-Mail ID:. budhakasandeshnews@gmail.com

आपके कई कामों को आसान बना देंगे लिपबाम से जुड़े ये हैक्स, जानिए कैसे

लिपबाम एक ऐसा ब्यूटी केयर प्रोडक्ट है, जो होंठों को मॉइश्चराइज करने के साथ–साथ उन्हें चमक भी देता है। शायद इसलिए यह कई महिलाओं की ब्यूटी किट का अहम हिस्सा है। हालांकि, लिपबाम का इस्तेमाल सिर्फ होंठों तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह आपके घर की भी कई छोटी–बड़ी परेशानियों का हल चुटकियों में निकाल सकता है। आइए आज हम आपको लिपबाम से जुड़े कुछ बेहतरीन हैक्स के बारे में बताते हैं, जिन्हें जानकर आप दंग रह जाएंगे।

नए जूते या चप्पल से पैर में हुए घाव को करें ठीक

अक्सर नए जूते या चप्पल पहनने से पैरों के तलवों पर घाव हो जाते हैं, जिनके कारण असहनीय दर्द और जलन का सामना करना पड़ जाता है। वहीं, इनके कारण चलने में भी परेशानी होने लगती है। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो आप लिपबाम का इस्तेमाल करें। समस्या से बचने के लिए आप उन जगहों पर लिपबाम को लगा लें, जहां से आपके फुटवियर आपको नुकसान पहुंचा सकते हैं।

उंगली में फंसी हुई अंगूठी को आसानी से निकालें

अगर कोई अंगूठी उंगली में फंस जाती है तो हम उसे बाहर निकालने के चक्कर में जबरदस्ती से खींचते हहैं, जिसके कारण उंगली में चोट लग जाती है। हालांकि, अब आपको ऐसा कुछ करने की जरूरत नहीं है क्योंकि लिपबाम की मदद से आप यह काम बड़ी ही आसानी से कर सकते हैं। इसके लिए बस अपनी अंगूठी वाली उंगली पर थोड़ा लिपबाम लगाएं, फिर अंगूठी को निकालें। यकीनन इससे झट से अंगूठी निकल जाएगी।

जूते चमकाएं

आप चाहें तो लिपबाम का इस्तेमाल जूतों को चमकाने के लिए भी कर सकते हैं। अगर आप जल्दी में घर से गंदे जूते पहनकर निकल गए हैं तो ऐसे समय पर आप लिपबाम का इस्तेमाल अपने जूतों को चमकाने के लिए कर सकते हैं। इसके अलावा, जब भी आपको यह लगे कि जूते पॉलिश करने का समय नहीं है तो फटाफट लिपबाम से आप अपने जूतों को पॉलिश कर सकते हैं।

मच्छर या चींटी के काटने पर करें लिपबाम का इस्तेमाल

जब कभी भी आपको मच्छर या चींटी काट लें तो इससे राहते के लिए आप लिपबाम का इस्तेमाल कर सकते हैं। राहत के लिए जिस जगह पर मच्छर या चींटी ने काटा है, उस जगह पर हल्के हाथों से लिपबाम को रगड़ लें। यकीन मानिए इससे तुरंत ही खुजली और सूजन की समस्या कम हो जाएगी, इसलिए अगली बार अगर आपको मच्छर या चींटी के काटने पर सूजन आ जाए तो आप इस तरीके का इस्तेमाल जरूर करें।

कौन रीमेक में काम नहीं करेंगे मनोज बाजपेयी

मनोज बाजपेयी ने कई यादगार अभिनय किये हैं, जिनमें से एक है थ्रिलर कौन?, जो 1999 में रिलीज हुई थी। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता ने खुलासा किया है कि अगर यह फिल्म कभी बनी

तो इसके रीमेक में अभिनय क्यों नहीं करेंगे। राम गोपाल वर्मा द्वारा निर्देशित एक मनोवैज्ञानिक थ्रिलर कौन? में उर्मिला मातोंडकर और सुशांत सिंह भी प्रमुख भूमिकाओं में थे।

फिल्म एक सीरियल किलर और एक तूफानी शाम को एक ही घर में बंद एक अन्य व्यक्ति की कहानी है।

यह पूछे जाने पर कि क्या वह फिल्म के रीमेक में काम करना चाहेंगे, मनोज ने कहा, कौन? जब यह रिलीज हुई थी तो लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया था। अब तक लोग फिल्म के बारे में बात करते हैं, जो बहुत जबरदस्त है। आप 22 साल पहले कुछ करते हैं और लोग अभी भी इसके बारे में बहुत विस्तार से बात करते हैं। वे इसे बहुत स्पष्ट रूप से याद करते हैं।

प्रतिभाशाली अभिनेता ने इसे महान स्वीकृति और प्रोत्साहन के रूप में वर्णित किया है।

वे कहते हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि मैं रीमेक का हिस्सा बनूंगा, यह बहुत उबाऊ है। एक कहानी जो आप पहले ही कर चुके हैं .. इसे फिर से करने के बजाय, कुछ नया करना बेहतर है। किसी और को इसमें शामिल होना चाहिए यह और उन्हें अपने तरीके से भूमिका का प्रयोग करना चाहिए। वे मुझसे बेहतर हो सकते हैं।

मनोज की नवीनतम रिलीज डायल 100 का प्रीमियर इस महीने की शुरूआत में जी5 पर किया गया था। इसमें नीना गुप्ता और साक्षी तंवर भी हैं।

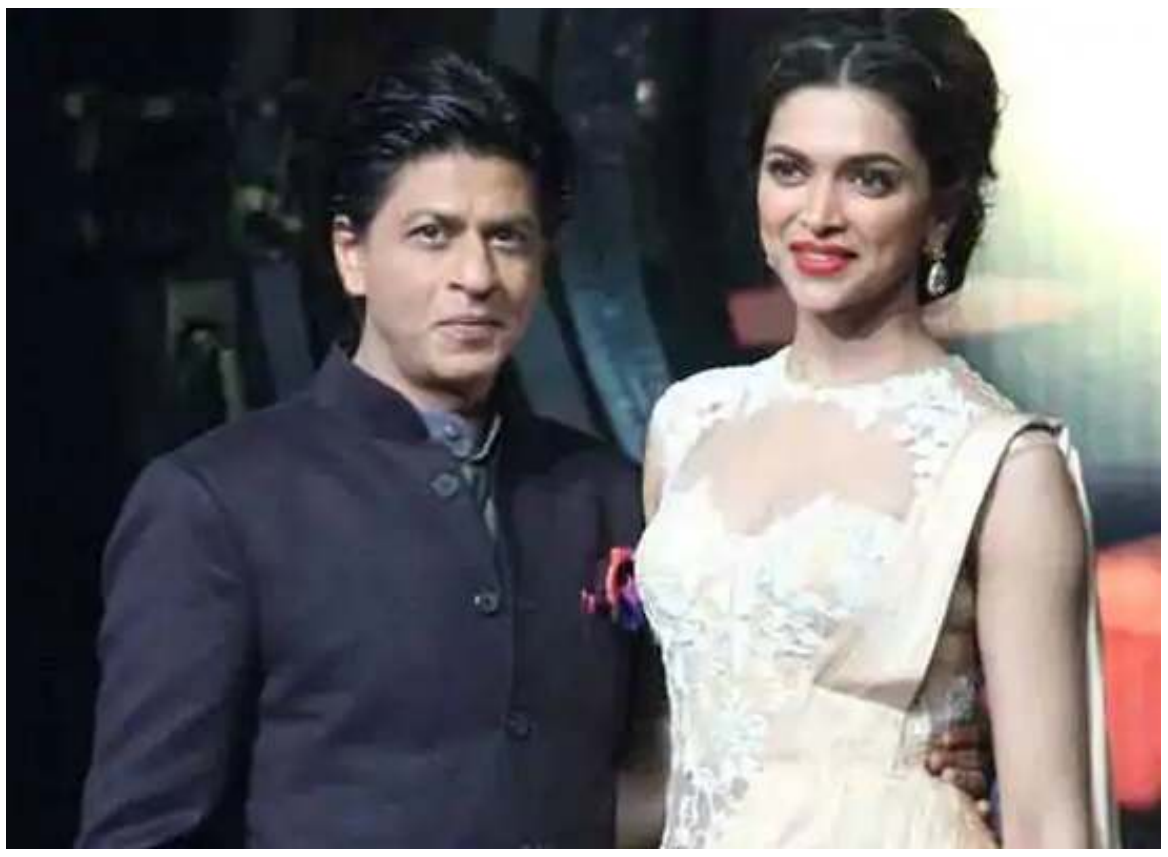

पठान के गाने की शूटिंग स्पेन में करेंगे शाहरुख, दीपिका

सुपरस्टार शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित आगामी फिल्म पठान के लिए स्पेन में एक गाने की शूटिंग करेंगे। शाहरुख और दीपिका न केवल स्पेन में अपनी फिल्म के महत्वपूर्ण हिस्सों की शूटिंग करेंगे बल्कि वहां एक बड़े पैमाने पर गाने की शूटिंग भी करेंगे।

एक सूत्र ने कहा, किसी भी बॉलीवुड फिल्म ने कभी भी इन जगहों पर गाने के दृश्यों की शूटिंग नहीं की है। सिड आनंद स्पेन में एक गाने की शूटिंग करेंगे और सभी संभावित लीक को नियंत्रित करने के लिए चीजें पूरी तरह से व्यवस्थित की जा रही हैं। इरादा एक ऐसा गीत बनाने का है जो इतना भव्य हो कि यह तुरंत हिट हो जाए। स्पेन में शूटिंग के आसान अनुभव के लिए सभी आवश्यक अनुमतियों पर काम किया जा रहा है।

सूत्र ने कहा, सिड आनंद और आदित्य चोपड़ा भारतीय सिनेमा को विश्व मानचित्र पर फिर से परिभाषित करना चाहते हैं और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। पठान में जॉन अब्राहम भी हैं। फिल्म के बारे में अन्य विवरणों का अभी खुलासा नहीं कया गया है।

करण जौहर की फिल्म में फिर काम करेंगे सिद्धार्थ मल्होत्रा!

बॉलीवुड अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा एक बार फिर करण जौहर की फिल्म में काम करते नजर आ सकते हैं।

सिद्धार्थ मल्होत्रा ने करण जौहर निर्मित फिल्म शेरशाह में काम किया है। बॉलीवुड में चर्चा है कि करन जौहर ने सिद्धार्थ मल्होत्रा को अब अपनी एक नई एरियल एक्शन ड्रामा फिल्म के लिए साइन किया है।

इस अनटाइटल्ड फिल्म को बड़े पैमाने पर बनाया जाएगा, जिसमें सिद्धार्थ कभी न देखे गए अवतार में दिखाई देंगे। इस फिल्म का निर्देशन पुष्कर और सागर करेंगे।

पुष्कर और सागर लगभग एक साल से इस फिल्म पर काम कर रहे हैं और इसके लिए उन्होंने रेकी भी पूरी कर ली है। इस साल नवंबर से इस फिल्म का प्रोडक्शन शुरू होने की उम्मीद है।

बताया जा रहा है कि इसे फिल्म को बड़े पैमाने पर बनाया जाएगा, जिसमें कई एक्शन सीन्स और ड्रामाटिक विजुअल्स देखने को मिलेंगे।सिद्धार्थ इस फिल्म की शूटिंग मिशन मजनू और थैंक गॉड खत्म होने के बाद ही शुरू करेंगे।

सलमान ने टाइगर 3 के सेट से भतीजे निर्वाण के साथ शेयर की तस्वीर

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने रूस से अपने भतीजे निर्वाण खान के साथ एक तस्वीर साझा की, जहां वह आगामी जासूसी थ्रिलर टाइगर 3 की शूटिंग कर रहे हैं। सलमान ने इंस्टाग्राम पर तस्वीर पोस्ट की। तस्वीर में सलमान और निर्वाण, जो अभिनेता–निर्माता सोहेल खान के बेटे हैं, रूस की सड़कों पर घूमते नजर आ रहे हैं।

55 वर्षीय स्टार ग्रे टी–शर्ट, चेकर्ड जैकेट और बेसबॉल कैप के साथ रिप्ड ब्लू जींस में बेहद शानदार लग रहे हैं।

निर्वाण एक काले चमड़े की जैकेट और एक स्वेटशर्ट के साथ ऑलिव ग्रीन कार्गो पैंट पहने हुए है। लुक को पूरा करने के लिए वह चश्मा लगाए नजर आ रहे हैं।

चाचा भतीजा एट द रेट निर्वाणखान15, दबंग अभिनेता ने फोटो को कैप्शन दिया, जिसे वर्तमान में फोटो–शेयरिंग वेबसाइट पर 1.4 मिलियन लाइक्स मिले हैं।

टाइगर 3 तीसरी किस्त है जो मनीष शर्मा द्वारा निर्देशित है और इसमें कैटरीना कैफ भी हैं। कोविड –19 के वैश्विक प्रकोप के कारण फिल्म को रोक दिया गया था।

टाइगर 3 स्पाई थ्रिलर फ्रेंचाइजी का तीसरा पार्ट है। कबीर खान द्वारा निर्देशित पहली किस्त एक था टाइगर 2012 में रिलीज हुई थी। दूसरी फिल्म टाइगर जिंध्दा है 2017 में रिलीज हुई थी और इसका निर्देशन अली अब्बास जफर ने किया था।

अभिनेता पृथ्वीराज काम करने के लिए अद्भुत निर्देशक : जगदीश

मोलीवुड के सबसे प्रमुख सितारों में से एक पृथ्वीराज, जिनके निर्देशन में बनी पहली फिल्म लूसिफर हिट रही थी, वर्तमान में तेलंगाना में अपनी दूसरी फिल्म ब्रो डैडी की शूटिंग पूरी कर रहे हैं, और अनुभवी चरित्र हास्य अभिनेता जगदीश उनके निर्देशन कौशल से चकित हैं। तेलंगाना से फोन पर आईएएनएस के साथ बातचीत में, फिल्म में अच्छी भूमिका निभाने वाले जगदीश ने कहा कि अगर उन्हें पृथ्वीराज का वर्णन करना होता, तो वे कहते – पृथ्वीराज एक बेहतर पेशेवर हैं। दिग्गज को फिल्मों में अभिनय का चार दशकों से ज्यादा का अनुभव है। उन्होंने कहा, जिस दिन से मुझे उनकी फिल्म में अभिनय करने के लिए कॉल आया तो मुझे अच्छा लगा और जब मैं उस स्थान पर पहुंचा तो मुझे और ज्यादा खुशी हुई। फिल्म की 80 प्रतिशत शूटिंग अब समाप्त हो गई है, मैं उनके निर्देशन कौशल से चकित हूं। जगदीश ने कहा, वह फिल्म निर्माण के हर पहलू को अच्छी तरह से जानते है, चाहे वह कैमरा हो, लेंस हो, लाइटिंग हो और क्या नहीं और निर्देशक के रूप में उनके साथ अभिनय करना निश्चित रूप से हर अभिनेता में सर्वश्रेष्ठ होता है, चाहे वह सुपरस्टार मोहनलाल भी हो जो मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। उनकी पहली फिल्म के विपरीत, एक बेहद बड़ा मनोरंजनकर्ता, ब्रो डैडी एक पारिवारिक फिल्म है, जिसमें एक ईसाई पृष्ठभूमि है जो तीन दोस्तों की कहानी है। इस फिल्म को एक और अनुभवी लालू एलेक्स की वापसी फिल्म के रूप में भी देखा जा रहा है, जो थोड़ी देर बाद ग्रीस पेंट कर रहा है। पृथ्वीराज, मोहनलाल के बेटे की भूमिका निभा रहे हैं। अभिनय करने वालों में मीना, कल्याणी प्रियदर्शन (इक्का निर्देशक प्रियदर्शन की बेटी), उन्नी मुकुंदन, कनिहा, सौभिन शाहिर और पृथ्वीराज की मां शामिल हैं, जो कि पुरानी अभिनेत्री मलिका द्वारा निभाई गई हैं।